हिंदी दैनिक सोनीपत Registration No: HRHIN/26/A1301

भारत टाइम्स सजग

वर्ष : 01 अंक : 122 सोनीपत, शनिवार, 18 जुलाई 2026 REG.NO. HRHIN/26/A1301 पेज : 8 मुल्य : 1 रुपया

विकास की नई पटरी पर चल रहा हरियाणा,जींद में पीएम मोदी ने 14,700 करोड़ की परियोजनाओं का किया उदघाटन और शिलान्यास

जींद (एजंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हरियाणा के जींद में लगभग 14,700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में पूरा हरियाणा ही विकास की नई पटरी पर चल पड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने जींद की जनता को 'राम-राम करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा,"मेरे लिए जींद आना पुरानी यादों का झरोखा खोलने जैसा है। कई दशक पहले मैं संगठन के काम से पहली बार जींद आया, फिर आप लोगों ने मुझे जो अपनत्व दिया, प्रेम दिया, वो मैं आज आजतक भुला नहीं हूं। इतने वर्षों में जींद के घी और जींद के घेवर तो नहीं बदले, लेकिन जींद के तेवर बदल गए हैं। आज जींद भाजपा-एनडीए के सुशासन मॉडल की तस्वीर बन रहा है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में पूरा हरियाणा ही विकास की नई पटरी पर चल पड़ा है। आज का कार्यक्रम भाजपा की डबल-इंजन सरकार के मिशन को नई ऊर्जा दे रहा है। आज जींद का हरियाणा का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आज यहां से देश को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिली है।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा,"भारत में पहली ट्रेन बॉम्बे से ठाणे के बीच चली थी। वैसे ही भविष्य में जब भी हाइड्रोजन ट्रेन का जिक्र आएगा, तो जींद, सोनीपत और हरियाणा का नाम आएगा। मैं आप सभी को पूरे देश को भारतीय रेल की आधुनिकता से जुड़े इस बड़े कदम के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

इसी बीच, स्वच्छता पहलों के लिए जींद और हरियाणा के लोगों की प्रशंसा करते हुए पीएम मोदी ने कहा,"मैं जींद और हरियाणा के लोगों की सराहना करता हूं। 'स्वच्छता से स्वागत पहल को जिस गंभीरता से लिया है, जिस तरह मेरे आने से पहले यहां के लोग स्वच्छता अभियान में नई ऊर्जा से जुटे हैं, वह दिल खुश कर देने वाला है।

उन्होंने कहा,"पिछले एक सप्ताह से सोशल मीडिया में आपका सफाई अभियान चल रहा था। इसकी भारी चर्चा रही है, लेकिन कुछ लोगों ने यह भी कहा कि मोदी जी आप बार-बार आइए, ताकि हमारा जींद स्वच्छ रहे। जिस महाशय ने यह भाव व्यक्त किया है, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।पीएम मोदी ने आगे कहा,"अगर जींद के लोग तय कर लें कि हम कभी गंदगी नहीं करेंगे तो जींद कभी गंदा नहीं हो सकता है। मोदी के आने की जरूरत नहीं है, सिर्फ आप तय कर लें कि आप स्वच्छता को अपना स्वभाव, संस्कार और अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएंगे।इससे पहले, पीएम मोदी ने जींद में आयोजित कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र में सिख म्यूजियम और 24.27 किलोमीटर लंबे हांसी-बरवाला ब्राउनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। इसके अलावा, पीएम मोदी ने कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, अंबाला-काला अंब खंड, जींद-गोहाना हाईवे और अन्य प्रोजेक्ट्स को भी देश को समर्पित किया।

उन्होंने भिवानी में पंडित नेकी राम शर्मा सरकारी मेडिकल कॉलेज व नारनौल में महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और राव तुला राम अस्पताल समेत प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को राष्ट्र को समर्पित किया।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 20 वां दिन, डाक्टरों ने अंग फेल होने की चेतावनी दी

नई दिल्ली (एजंसी)

सामाजिक कार्यकर्ता और पर्याणवरणविद सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 20वां दिन है। वे नीट समेत कई पेपर लीक को

लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरने पर हैं। इस बीच डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि लंबे समय से भूखे रहने के कारण उनकी स्थिति गंभीर हो गई है और अंगों को नुकसान पहुंचने का खतरा है। हालांकि, वांगचुक ने कहा कि वह किसी भी कीमत पर 20जुलाई तक जिंदा रहेंगे।

कॉकरोच जनता पार्टी(सीजेपी (के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, मैं कहना नहीं चाहता, लेकिन वांगचुक मृत्युशय्या पर हैं। वे इतने कमजोर हो गए हैं कि हड्डियां दिखाई देने लगी हैं। गुरुवार को वे 2बार गिरने से बचे।

वहीं, वांगचुक के साथ भूख हड़ताल पर बैठे एआईएसए कार्यकर्ता नेहा , मनीष और आमीन की हालत भी गंभीर है। आमीन को पानी की कमी हो गई है। नेहा का ब्लड शुगर और मनीष का वजन कम हो गया है।

वांगचुक ने कहा कि वह बाहर से कमजोर हैं, लेकिन अंदर से मजबूत हैं।

सोनम वांगचुक से मिले पवनखेड़ा बोले-जान जोखिम में न डालें, यह सरकार लोकतांत्रिक विरोध नहीं सुनती

नई दिल्ली (एजंसी)

दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से शुक्रवार को कांग्रेस राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सोनम वांगचुक और उनके साथ अनशन कर रहे अन्य साथियों से अपनी जान जोखिम में न डालने की अपील की। पवन खेड़ा ने कहा कि गुरुवार को कांग्रेस के महासचिव(संगठन (केसी वेणुगोपाल ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था कि एक असंवेदनशील सरकार के सामने विरोध का तरीका ऐसा नहीं होना चाहिए, जिससे आंदोलनकारियों की जान पर बन आए। पवन खेड़ा ने कहा,"आज मैं यही संदेश लेकर सोनम वांगचुक और उनके साथियों के पास आया हूं। मैंने उनसे कहा कि वे अपनी जान खतरे में न डालें, क्योंकि यह ऐसी सरकार नहीं है जो लोकतांत्रिक विरोध को सुनती हो और उस पर प्रतिक्रिया देती हो।

इससे पहले गुरुवार को आम आदमी पार्टी(आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी जंतर-मंतर पहुंचे थे। उन्होंने'कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के मंच से देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।केजरीवाल ने अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक को लेकर कि वह अपने लिए नहीं, बल्कि देश के युवाओं और छात्रों के भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब कोई छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा में बैठता है तो वह सिर्फ परीक्षा देने नहीं जाता , बल्कि अपने सपनों को साकार करने की उम्मीद लेकर परीक्षा केंद्र पहुंचता है। छात्र को भरोसा होता है कि उसकी मेहनत, लगन और प्रतिभा के आधार पर उसका भविष्य तय होगा, लेकिन लगातार हो रहे पेपर लीक के मामलों ने युवाओं के इस विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है।

बंगाल में SIR मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कह -नागरिकता तयकरना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार नहीं

नई दिल्ली (एजंसी)

पश्चिम बंगाल स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन(एसआईआर) विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान फिर दोहराया

कि नागरिकता तय करना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार नहीं है। आयोग का अधिकार केवल मतदाता सूची के नियंत्रण और पर्यवेक्षण तक सीमित है। इसलिए कानून की स्थिति में कोई भ्रम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई ट्रिब्यूनल किसी व्यक्ति का नाम एसआईआर सूची में शामिल न करने का फैसला देता है तो चुनाव आयोग को नागरिकता निर्धारण के लिए मामला संबंधित मंत्रालय को भेजना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मतदाता सूची में नाम न होने से नागरिकता अपने आप खत्म नहीं होती है। पश्चिम बंगाल एसआईआर से जुड़ी विधानसभा क्षेत्रवार जानकारी मांगने वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई है। मामले की अगली सुनवाई 25अगस्त को होगी।

इससे पहले भी पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इनमें से कुछ का निपटारा हो गया है और कुछ पर सुनवाई हो रही है। एक तरफ जहां सत्ता पक्ष के लोग एसआईआर को जनता के पक्ष में बता रहे हैं। वहीं, विपक्ष का आरोप है कि सत्ता हथियाने के लिए भाजपा सरकरा एसआईआर करा ररही है।

संसद के मानसून-सत्र में 7विधेयकों पर होगी चर्चा, परिसीमन और महिला आरक्षण का जिक्र नहीं

नई दिल्ली (एजंसी)

संसद का मानसून सत्र सोमवार 20जुलाई से शुरू हो रहा है, जिसको लेकर केंद्र सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक की सुगबुगाहट के बीच केंद्र ने जो विधायी एजेंडा जारी किया है, उसमें 7विधेयकों को विचार के लिए शामिल किया गया है। एजेंडे में महिला आरक्षण, परिसीमन से संबंधित बहुचर्चित संविधान संशोधन विधेयक, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री को पद से हटाने का प्रस्ताव करने वाला 130वां संवैधानिक संशोधन विधेयक इसमें शामिल नहीं है।इस बार का मानसून सत्र कुल 19 दिन चलेगा और 7 अगस्त को समाप्त होगा। हालांकि, इसके आगे बढऩे की भी संभावना जताई जा रही है।

बताया जार हा है कि संयुक्त समिति शुक्रवार को 130वें संशोधन विधेयक पर चर्चा करेगी और अंतिम रिपोर्ट को अपनाएगी, जिसे बाद में सत्र के दौरान संसद में प्रस्तुत किया जा सकता है।

विधायी एजेंडा अभी अधूरा बताया जा रहा है। सरकार के पास सत्र बढ़ाने और अन्य विधेयक पेश करने की छूट है।ससद में 7निर्धारित विधेयक पेश किए जाएंगे, जिसमें विदेशी अंशदान (विनियमन)संशोधन विधेयक मार्च में लोकसभा में पेश किया जा चुका है और विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी(के पास है।इसके अलावा 5नए विधेयकों में शामिल आयकर(संशोधन) विधेयक, 2026, सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या(संशोधन विधेयक , 2026 ,जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन (विधेयक, 2026 ,राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम(संशोधन) विधेयक, 2026 और एमएसएमई विकास(संशोधन) विधेयक, 2026पेश होगा।

गुजरात एटीएस ने जैश-मोहम्मद के 5 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया, अब तक 13 पकड़े गए

अहमदाबाद (एजंसी)

गुजरात की आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े 5संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को मेहसाना जिले के काडी स्थित न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें 24 जुलाई तक एटीएस की हिरासत में भेजा गया है। एटीएस ने अब तक जैश आतंकी मॉड्यूल का खुलासा करते हुए 13संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले 3जुलाई को 8आतंकी गिरफ्तार हुए थे।एटीएस के अधिकारियों ने बताया कि पहले जिन 8जैश आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था, उन्होंने पूछताछ के दौरान 5अन्य सदस्यों की जानकारी दी थी, जिसके बाद इन्हें पाटन जिले में सिद्धपुर तालुका के खडियाल गांव से पकड़ा गया।

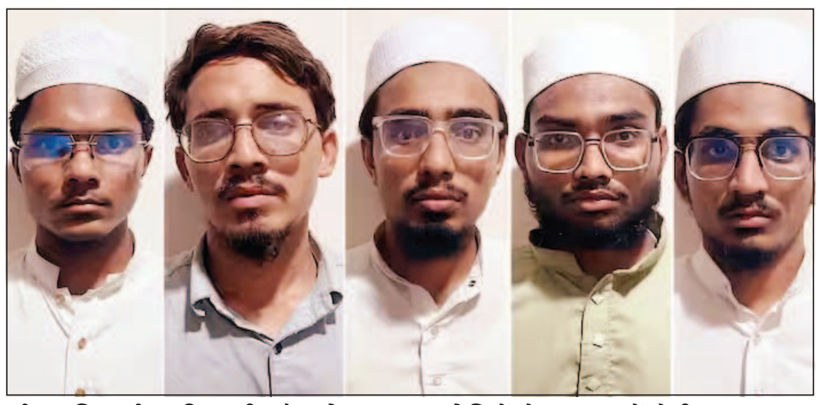

इन आरोपियों की पहचान बिलाल आबिदभाई शेरा, मोहम्मद अयूब कादीवाला उर्फ मोहम्मद खदियासन, मोहम्मद पालनपुरी उर्फ खली अयूब सुंसरा, शफिया रईस मुक्ति उर्फ शफी चापी और मोहम्मद हसन करदिया उर्फ हसन हैदरपुरी के रूप में की गई है।एटीएस ने अदालत को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में एक ने टाइम बम बनाने का प्रयास किया था। हालांकि, बम बनाने की सामग्री और उर्दू में जेईएम साहित्य बरामद नहीं हुआ है।

इन सभी की योजना भारत के कई शहरों में धमाके करने की थी। स्वतंत्रता दिवस से पहले ये बम धमाके की योजना बना रहे थे। आरोपियों ने गुजरात में देसी बम बनाकर अलग-थलग स्थानों पर कई बार परीक्षण विस्फोट किए थे, जिनमें से कुछ विस्फोट असफल रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों से बरामद इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के फोरेंसिक विश्लेषण की जांच में पता चला कि आतंकी जैश के शीर्ष नेतृत्व के सीधे संपर्क में थे और पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित संगठन के मुख्यालय के साथ वार्ता करते थे।

पाकिस्तान का आतंकवाद को समर्थन जगजाहिर, भारत के मामलों पर बोलने का हक नहीं:एमईए

नई दिल्ली (एजंसी)

ारत ने शुक्रवार को एक बार फिर पाकिस्तान पर सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने और उसका समर्थन करने का आरोप लगाया। भारत ने कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को अपनी राज्य नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करता आ रहा है। शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई विदेश मंत्रालय(एमईए) की दो बार साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले साल हुए पहलगाम आतंकी हमले की जांच अभी जारी है। यह हमला पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों ने किया था। एक सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा,"पहलगाम आतंकी हमले में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। आप सभी ने उस हमले की भयावहता देखी है। हमारी जांच एजेंसियों ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है और यह अभी जारी है। जहां तक सीमा पार आतंकवाद की बात है,

आप पाकिस्तान के दशकों पुराने समर्थन और मदद से अच्छी तरह वाकिफ हैं। पाकिस्तान लगातार इसे अपनी राज्य नीति के एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है।पहलगाम में आतंकी हमला 22अप्रैल 2025 को हुआ था। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पीड़ितों से उनका धर्म पूछकर उन्हें निशाना बनाया था। आतंकियों ने गैर मुस्लिमों की पहचान करने के लिए कुछ लोगों से इस्लामिक कलमा पढ़ने को भी कहा था। इस हमले में 25पर्यटकों और एक स्थानीय घोड़े वाले की मौत हुई थी, जो पर्यटकों को बचाने की कोशिश कर रहा था। हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक संगठन'द रेजिस्टेंस फ्रंट(टीआरएफ) ने ली थी।

ब्रीफिंग के दौरान जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान के नेताओं ने हुर्रियत नेताओं के समर्थन में बयान दिए हैं, जबकि राष्ट्रीय जांच एजेंसी(एनआईए) ने उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है तो जायसवाल ने कहा ",पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामलों पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है।"

10जुलाई को एनआईए ने कहा था कि उसने 1996में श्रीनगर में हुई हिंसा के मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह समेत छह अन्य अलगाववादी नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

अमेरिकी चुनाव को लेकर ट्रंप के बयान ने बढ़ाई हलचल, कमला हैरिस बोलीं-सच्चाई से ध्यान हटाना चाहते हैं राष्ट्रपति

वाशिंगटन (एजंसी)

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 2020के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर किए गए दावों ने देश के राजनीतिक गलियारे में हलचल पैदा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के वोटरों का डेटा हैक करने और रूस-ईरान की सेंधमारी का आरोप लगाया। अमेरिकी नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। इस बीच पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप लोगों का सच्चाई से ध्यान भटकाना चाहते हैं। दरअसल, अमेरिका में मिड टर्म का चुनाव होने वाला है। चुनाव से पहले देश की राजनीतिक गलियारे की हलचल तेज हो गई। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा ",इससे पहले कि राष्ट्रपति आज रात(स्थानीय समय गुरुवार) टेलीविजन पर झूठ और साजिश के सिद्धांत फैलाएं, आपको यह जानना आवश्यक है: 2020का चुनाव चोरी नहीं हुआ था. हम जीत गए और वह हार गए।'सेव एक्ट वोटर को दबाने का एक तरीका है। यह कंजर्वेटिव लोगों के एक बड़े एजेंडे का हिस्सा है जो लोगों से पावर छीनने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार ने घर, स्वास्थ्य सुविधा, बच्चों की देखभाल, खाने या गैस की कीमत कम करने के लिए कुछ नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप और उनकी सरकार ने अमेरिका को एक ऐसे युद्ध में डाल दिया है जो लोग नहीं चाहते। वह आपको उस सच्चाई से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।हैरिस ने ट्रंप पर सच्चाई से ध्यान भटकाने और चुनाव में हार के डर का आरोप लगाते हुए कहा, आपकी(जनता) ताकत से डरे हुए हैं और वह चाहते हैं कि आप यह मान लें कि आपके वोट का कोई मतलब नहीं है। वह चाहते हैं कि हमारे इलेक्टोरल सिस्टम पर आपका भरोसा खत्म हो जाए, इसलिए

आप इस नवंबर घर पर रहें। वह जानते हैं कि अमेरिकी लोग कितने नाराज हैं और वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आप वोट न दें, क्योंकि अगर लोग अपनी संख्या में वोट करेंगे, तो रिपब्लिकन हार जाएंगे।उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि अभी हालात बहुत मुश्किल हैं और हमें बहुत काम करना है। वोटिंग एक जरूरी कदम है जिसे हम अपनी आवाज उठाने, यह साबित करने के लिए उठा सकते हैं कि हम अभी भी इस लड़ाई में हैं और इस भ्रष्ट और क्रूर सरकार पर असली रोक लगा सकते हैं।अमेरिकी रिप्रजेंटेटिव नैंसी पेलोसी ने कहा कि जाहिर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति एक हारे हुए इंसान हैं। अमेरिकी सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने कहा",डोनाल्ड ट्रंप अभी आपके(जनता के) लिए खर्च कम करने के बजाय छह साल पहले के झूठ बोलने में अपनी शाम बिता रहे हैं।

डेमोक्रेट के नेता हकीम जेफरीज ने कहा",डोनाल्ड ट्रंप एक कमजोर, पागल , साजिश करने वाले 80साल का नाकाम प्रेसिडेंट हैं। इस आदमी के राज में आर्थिक हालत बहुत खराब है और अमेरिकी लोग यह जानते हैं।

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने एपस्टिन फाइल को लेकर ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि दस्तावेज की बात करें तो, एपस्टीन की उन फाइलों का पूरा रिलीज कब होगा आज रात (स्थानीय समय गुरुवार) डोनाल्ड ट्रंप पुष्टि करेंगे कि वे हमारे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। यह कानून का राज नहीं है, यह डॉन का राज है। इस पागल राजा के आगे मत झुको।

एरिजोना के लिए अमेरिकी सीनेटर कैप्टन मार्क केली ने लिखा",अगर ट्रंप जीतते हैं, तो यह एक निष्पक्ष चुनाव होगा। अगर वे हारते हैं, तो धांधली हुई है। क्या उन्हें पता है कि जिस चुनाव की वे बात कर रहे हैं, वह राष्ट्रपति के तौर पर उनके कार्यकाल में हुआ था ट्रंप अब यह बात सिर्फ इसलिए उठा रहे हैं ताकि इस बात से ध्यान भटका सकें कि वे अमेरिकियों की जिंदगी बेहतर बनाने में नाकाम रहे हैं।जॉर्जिया में अमेरिका के सीनेटर जॉन ओसोफ्फ ने राष्ट्रपति ट्रंप पर तंज कसते हुए कहा",आज रात(स्थानीय समय गुरुवार) मैंने एक नाकाम और हताश राष्ट्रपति को सुना, जो युद्ध बढ़ने और कीमतें बढ़ने के साथ हमेशा की तरह अपनी शिकायतों, अपनी शर्म और सबसे बढ़कर हार के साथ आने वाली जवाबदेही के डर पर ध्यान दे रहा है। मैंने एक राष्ट्रपति को इन चुनावों और हमारे वोटिंग अधिकारों पर हमला करने के अपने साफ इरादे का संकेत करते हुए भी सुना, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने 2020में हमारे वोटों को खत्म करने और प्रेसिडेंसी पर कब्जा करने की कोशिश की थी।

ट्रंप प्रशासन की चेतावनी, अमेरिका में चुनावी डेटा पर साइबर हमले का खतरा

वाशिंगटन (एजंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हाल ही में सार्वजनिक किए गए गोपनीय खुफिया और साइबर सुरक्षा

आकलनों में चेतावनी दी कि देश के मतदाता पंजीकरण डेटाबेस अब भी विदेशी साइबर हमलों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। अगर यह डेटा चोरी होता है तो उसका दुरुपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी सुरक्षा पर दिए गए संबोधन के बाद जारी इन दस्तावेजों में कहा गया कि मतदाता पंजीकरण डेटाबेस विदेशी खुफिया एजेंसियों और साइबर हमलावरों के लिए सबसे आकर्षक लक्ष्यों में से एक हैं। इनका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में बाधा डालना और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लोगों का भरोसा कमजोर करना हो सकता है। व्हाइट हाउस द्वारा जारी अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग(डीएचएस) की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10वर्षों में अमेरिका के सभी 50 राज्यों के मतदाता पंजीकरण सिस्टम को हैक करने की कोशिश की गई। इनमें से कम से कम 20राज्यों में साइबर हमलावरों को सेंध लगाए।रिपोर्ट में कहा गया",राज्य स्तर के मतदाता पंजीकरण डेटाबेस विदेशी विरोधी देशों के लिए बेहद आकर्षक लक्ष्य हैं।

कनाडा के जंगलों में लगी आग से अमेरिका की एयर क्वालिटी खराब, ट्रंप ने दी टैरिफ की धमकी, कार्नी से करेंगे बात

वाशिंगटन (एजंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी दी है। उन्होंने ओटावा पर अपने जंगलों का उचित प्रबंधन न करने और जंगल की आग के धुएं से अमेरिकी शहरों की एयर क्वालिटी को प्रभावित होने से रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा कि कनाडा में जंगल की आग से निकलने वाली "गंदी , प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से संयुक्त राज्य अमेरिका प्रभावित हो रहा है। प्रदूषण की लागत कनाडा पर वर्तमान में लागू टैरिफ में जोड़ दी जाएगी।

मार्क कार्नी से बात करेंगे ट्रंप

ट्रंप ने कहा",हम कनाडा को इस बात के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं कि वे अपने जंगलों और झाड़ियों का उचित रखरखाव नहीं कर रहे हैं, और संयुक्त राज्य अमेरिका अनावश्यक रूप से गंदी, प्रदूषित और अस्वास्थ्यकर हवा से प्रभावित हो रहा है, जिसकी गुणवत्ता खतरनाक और बिल्कुल अस्वीकार्य है"!अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह इस मुद्दे पर चर्चा करने और कनाडा द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से बात करेंगे।

जानबूझकर लापरवाही का लगाया आरोप

उन्होंने कहा",मैं दिन में प्रधानमंत्री को फोन करके पता लगाऊंगा कि वे इस बारे में क्या करने जा रहे हैं। लागत का अनुमान लगाना असंभव है"!अमेरिकी राष्ट्रपति ने कनाडा पर वन प्रबंधन और मलबा हटाने के उपाय करने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए इसे "जानबूझकर की गई लापरवाही बताया और दावा किया कि यह समस्या हर साल होती है, जिससे अमेरिका को अरबों डॉलर का नुकसान होता है। उन्होंने आगे कहा",इस प्रदूषण की लागत को कनाडा द्वारा वर्तमान में चुकाए जा रहे टैरिफ में जोड़ना अनिवार्य है।

अमेरिका के कई शहरों तक फैला धुआं

ट्रंप की तरफ ये बयान ऐसे समय में सामने आए हैं जब कनाडा में सक्रिय आग से निकलने वाला धुआं संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में फैल रहा है, जिससे कई राज्यों में वायु गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। नासा के अनुसार, कनाडा में लगभग 850 सक्रिय जंगल की आग से निकलने वाला धुआं , जिसमें ओंटारियो में 180से अधिक आग शामिल हैं, दक्षिण की ओर बढ़ गया है, जिसके कारण ऊपरी मिडवेस्ट से लेकर पूर्वोत्तर तक फैले 20 से अधिक अमेरिकी राज्यों में वायु गुणवत्ता संबंधी चेतावनी जारी की गई है।

एयर क्वालिटी खराब होने पर चेतावनी जारी

इस बीच, पॉलिटिको के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 150से अधिक जंगल की आग की सूचना मिली है, जिनमें मिशिगन में कई आग शामिल हैं।

ट्रंप सरकार का कट्टर वामपंथी समूहों के खिलाफ बड़ा एक्शन, अमेरिका ने लगाई वीजा पर रोक

वाशिंगटन (एजंसी)

ट्रंप प्रशासन ने अपनी आव्रजन नीति को और सख्त करते हुए उन विदेशी नागरिकों के खिलाफ नई वीजा प्रतिबंध नीति की घोषणा की है, जिन पर प्रशासन द्वारा वामपंथी आतंकवादी संगठनों या उनसे जुड़े समूहों का समर्थन करने का आरोप है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई, जब अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने 60से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की मंत्रीस्तरीय बैठक की शुरुआत की। बैठक का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक आतंकवाद के दोबारा उभरते खतरे से निपटने के लिए वैश्विक समन्वय को मजबूत करना बताया गया। अमेरिकी विदेश विभाग के एक बयान के अनुसार, नई नीति के तहत उन विदेशी नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी, जिन्होंने आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन या उन्हें उकसाया हो, हिंसक आपराधिक गतिविधियों का समर्थन किया हो अथवा प्रशासन द्वारा वामपंथी आतंकवादी करार दिए गए समूहों और उनसे जुड़े संगठनों के लिए वित्तपोषण, भर्ती या लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई हो। इसके अलावा हिंसक गतिविधियों के उद्देश्य से ऐसे नेटवर्कों के समन्वय में सहायता करने वालों को भी इस दायरे में रखा जाएगा।

रुबियो ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य अमेरिका की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आतंकवादी, हिंसक और आपराधिक वामपंथी नेटवर्कों को वित्तपोषण, भर्ती, उकसाने या अन्य प्रकार की सहायता देने वाले विदेशी नागरिकों को अमेरिका में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि इस नीति से उन वीजा मार्गों को बंद किया जा सकेगा, जिनका इस्तेमाल ऐसे संगठन अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डालने, आर्थिक स्थिरता को कमजोर करने और अमेरिकी भूमि पर हिंसक गतिविधियों के समन्वय के लिए कर सकते हैं। यह कार्रवाई इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट की धारा 212)ए((3)(सी(के तहत की जा रही है।

वीजा प्रतिबंधों की घोषणा ऐसे समय हुई, जब अमेरिकी विदेश विभाग ने राजनीतिक आतंकवाद के दोबारा उभरने के मुद्दे पर मंत्रीस्तरीय बैठक आयोजित की। इसमें पश्चिम गोलार्ध, यूरोप और एशिया की सरकारें एक साथ आईं ताकि कोऑर्डिनेशन बढ़ाया जा सके, जानकारी साझा करने के तरीकों को मजबूत किया जा सके और सरकार के मुताबिक बढ़ते हुए सीमा-पार के खतरे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन सहयोग को बढ़ाया जा सके।

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए मार्को रुबियो ने कहा कि अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना हर सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद-रोधी रणनीति को अब उस खतरे पर भी केंद्रित होना चाहिए, जिसे उन्होंने चरमपंथी वामपंथ से प्रेरित राजनीतिक हिंसा के दोबारा उभरने के रूप में वर्णित किया।

पाकिस्तान में क्रिकेट खेल रहे दो ईसाई युवकों की गोली मारकर हत्या, शव रखकर क्वेटा-कराची हाईवे किया जाम

इस्लामाबाद (एजंसी)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को दो ईसाई युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए काम करने वाले एक प्रमुख संगठन ने वारदात पर जताते हुए कहा कि पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की जिंदगी अब भी लगातार खतरे में है। वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी(वीओपीएम(के मुताबिक, बलूचिस्तान में मस्तुंग जिले के शमसाबाद इलाके में मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने 21साल के आयुष मसीह और 24साल के डोमनिक मसीह की गोली मारकर हत्या कर दी। यह जगह ईसाई बस्ती से कुछ ही किलोमीटर दूर है। दोनों युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ शाम को क्रिकेट खेल रहे थे, तभी हमलावर वहां पहुंचे और उन्हें गोली मार दी , जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वीओपीएम ने रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि इस हमले के पीछे इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रोविंस(आईएसकेपी) का हाथ होने की आशंका है। यह इस्लामिक स्टेट का स्थानीय संगठन है, जो बलूचिस्तान के कुछ इलाकों में सक्रिय रहा है और पहले भी अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बना चुका है।वीओपीएम ने कहा कि इस हत्या से स्थानीय ईसाई समुदाय में गहरा दुख और गुस्सा फैल गया। परिवार और दोस्त शोक मनाने के लिए इकट्ठा हुए। कई लोगों ने खुद को बेबस और डरा हुआ महसूस किया। उनका सवाल था कि उन्हें निशाना क्यों बनाया जा रहा है और उनकी सुरक्षा करने वाला कोई क्यों नहीं है।संगठन ने बताया कि गुस्साए लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। उन्होंने दोनों युवकों के शव एंबुलेंस में रखकर व्यस्त क्वेटा-कराची हाईवे को जाम कर दिया, जिससे कई घंटों तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा।

संगठन ने कहा कि आयुष और डोमनिक की हत्या कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ लंबे समय से हो रही हिंसा का हिस्सा है।

वीओपीएम के अनुसार",पिछले दस वर्षों में बलूचिस्तान में कम से कम 18ईसाइयों की हत्या की गई है। कुछ लोग चर्चों पर हुए बम हमलों में मारे गए, जबकि कुछ को उनके धर्म या जातीय पहचान की वजह से निशाना बनाया गया।

संगठन ने कहा कि सिर्फ बलूचिस्तान ही नहीं, बल्कि पूरे पाकिस्तान में ईसाई समुदाय कई तरह की परेशानियों का सामना कर रहा है। इनमें झूठे ईशनिंदा के आरोप, भीड़ द्वारा हिंसा और लगातार होने वाला भेदभाव शामिल हैं।

पाकिस्तानः बीएलए का दावा, हमले में 45 से अधिक पाक सैनिकों को मार गिराया

इस्लामाबाद (एजंसी)

बलूच लिबरेशन आर्मी(बीएलए) ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग जिले में पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर हुए हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि इस हमले में 45से

अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने जारी बयान में कहा कि गुरुवार को मस्तुंग के खड़कूचा इलाके में संगठन की'फतह स्क्वाड इकाई ने यह हमला किया। उन्होंने इसे "सुनियोजित और तीव्र अभियान बताया। प्रवक्ता के अनुसार, संगठन ने उन बसों के काफिले को निशाना बनाया, जिनमें पाकिस्तानी सेना के जवान, उनकी सुरक्षा में तैनात कर्मी और घटना के बाद मौके पर पहुंची सैन्य टुकड़ियां मौजूद थीं।

बयान में कहा गया",अब तक मिली जानकारी के अनुसार, इस अभियान में कब्जाधारी सेना के 45से अधिक जवान मारे गए हैं और दर्जनों अन्य घायल हुए हैं। मौजूदा युद्धक्षेत्र की स्थिति को देखते हुए मृतकों की संख्या में और बढ़ोतरी की संभावना है।

हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारियों ने सैन्य काफिले पर हमले की पुष्टि की है, लेकिन हताहतों की संख्या को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

स्थानीय सूत्रों के हवाले से'द बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया कि मस्तुंग के खड़कूचा इलाके में गुरुवार को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कथित गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार बच्चों समेत 11अन्य घायल हो गए।

यह घटना सैन्य काफिले पर हुए हमले के बाद क्षेत्र में बढ़े तनाव के बीच हुई।इस महीने की शुरुआत में भी बीएलए ने बलूचिस्तान के ग्वादर जिले के जिवानी क्षेत्र में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड्स के एक शिविर पर हमले की जिम्मेदारी ली थी। संगठन ने दावा किया था कि इस हमले में 30से अधिक सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हुए।

बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच के अनुसार, यह हमला जिवानी के पनवान इलाके में हुआ, जहां संगठन की'मजीद ब्रिगेड के एक सदस्य ने विस्फोटकों से भरे माजदा वाहन को कोस्ट गार्ड्स के शिविर में घुसाकर विस्फोट कर दिया।

ईरान ने सीरिया में यूएस कमांड सेंटर को बनाया निशाना, कुवैत-ओमान में कई जगहों पर हमले का किया दावा

तेहरान (एजंसी)

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच हमलों का दौर फिर से शुरू हो चुका है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स(आईआरजीसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने सीरिया में अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन कमांड सेंटर, कुवैत में अमेरिकी हथियार डिपो एंड लॉन्चर और ओमान में रडार साइट्स पर जवाबी हमले किए। आईआरजीसी ने कहा कि ऑपरेशन नस्र-2 की 11वीं, 12वीं और 13वीं लहर के दौरान हमले शुरू हुए थे। 11वीं राउंड का हमला ईरानशहर के बामपुर के शहीद सैनिकों को समर्पित थी। ईरान की आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी(आईआरएनए) ने बताया इस ऑपरेशन के दौरान, सेना ने सीरिया के अल-तनफ इलाके में अमेरिकी स्पेशल फोर्स के कमांड सेंटर पर अचानक हमला किया।

एक अलग बयान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स(आईआरजीसी) के जनसंपर्क विभाग ने दावा किया कि ईरानी बलों ने जवाबी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। आईआरजीसी के अनुसार, पहले हमले में एक मिसाइल रक्षा निगरानी रडार, अमेरिकी हथियारों के कई भंडार, दो एचआईएमएआरएस लॉन्चर और कई मिसाइलों को निशाना बनाया गया, जिससे कुवैत में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी वाले एक सैन्य अड्डे पर भीषण आग लग गई।बाद में आईआरजीसी ने एक और बयान जारी कर दावा किया कि उसकी सेना ने ओमान के सलमाह पठार पर स्थित नौसैनिक निगरानी रडार और ओमान के घनम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी हवाई निगरानी रडार को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया।

इस बीच, कुवैत की सेना ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली शत्रुतापूर्ण मिसाइल और ड्रोन हमलों का मुकाबला कर रही है। सेना ने नागरिकों से अपील की कि वे अधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा और बचाव संबंधी निर्देशों का सख्ती से पालन करें।कुवैत आर्मी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया",ईरान के बुरे हमले के बाद कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं। अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं। आर्मी के जनरल स्टाफ ने लोगों से अपील की है कि वे संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी किए गए सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

बुधवार को, ईरान के आईआरजीसी ने कहा कि उसने बहरीन और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिसमें उनके मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरक्राफ्ट शेल्टर, खास कमांड सेंटर और रणनीतिक ड्रोन पर हमला किया गया।आईआरजीसी ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के नए हमले के जवाब में जॉर्डन के अल-अजराक में अमेरिकी सैन्य बेस को निशाना बनाया।

हाइड्रोजन ट्रेन, रेलवे को आधुनिक बनाने के पीएम मोदी के विजन का अहम हिस्साःअश्विनी

जींद (एजेंसी)

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन, रेलवे को आधुनिक बनाने के पीएम मोदी के विजन का अहम हिस्सा है। इस ट्रेन की तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और आत्मनिर्भर भारत का शानदार उदाहरण है। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में वैष्णव ने कहा कि भारत में हाइड्रोजन को दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ही एक नए ईंधन के तौर पर देखा जाता है और सरकार ने इसे बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रेलवे ने ट्रांसपोर्ट सेक्टर के लिए 2,400 किलोवाट का पूरा हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है, जिसे इस ट्रेन में लगाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह तकनीक पूरी तरह से स्वदेशी है और 'आत्मनिर्भर भारत की सोच को दर्शाती है। यह ग्रीन एनर्जी की दिशा में एक अहम कदम है। साथ ही, यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12वर्षों से चल रहे रेलवे के आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस हाइड्रोजन तकनीक के बौद्धिक संपदा(आईपी (अधिकार भारत के पास ही है और इसे आने वाले समय में निर्यात में भी किया जाएगा। साथ ही कहा कि रेलवे फिलहाल इसे आगे विकसित करने पर कार्य कर रहा है।

रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, हाइड्रोजन फ्यूल सेल संचालित ट्रेन का प्रारंभिक संचालन उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत रेलखंड पर किया जाएगा। यह ट्रेन जींद जंक्शन, गोहाना जंक्शन और सोनीपत को जोड़ेगी। साथ ही यह मार्ग के बीच स्थित स्टेशनों और प्रस्तावित ठहरावों पर भी सेवा देगी। इनमें जींद सिटी, पांडू पिंडारा जंक्शन, ललित खेड़ा हॉल्ट, भंभेवा , इसापुर खेड़ी हॉल्ट, बुटाना हॉल्ट, खंडराई हॉल्ट , रभराह हॉल्ट, लाठ हॉल्ट, मोहाना, बरवासनी हॉल्ट और सोनीपत न्यू शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत में चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत यह है कि इसे 10कोचों वाले यात्री ट्रेनसेट के रूप में तैयार किया है, जिसमें करीब 2,600यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। वहीं, वर्तमान में दुनिया भर में संचालित अधिकांश हाइड्रोजन यात्री ट्रेनों में केवल दो या तीन कोच होते हैं और इन्हें मुख्य रूप से छोटी क्षेत्रीय रेल सेवाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

भारत की पहली प्रदूषणमुक्त ट्रेन का सफर गर्व की बात, नमो ग्रीन ट्रेन में सवार छात्रों ने साझा किया उत्साह

जींद (एजेंसी)

जींद । भारत रेलवे के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उद्घाटन के दौरान ट्रेन को फूलों और गुब्बारों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। यह अत्याधुनिक ट्रेन जींद–सोनीपत रेलखंड पर नियमित रूप से संचालित की जाएगी। हाइड्रोजन ट्रेन में बैठे एक छात्र ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा",यह हाइड्रोजन ट्रेन प्रदूषण नहीं फैलाती है। इसे 'नमो ग्रीन ट्रेन का नाम भी दिया गया है। हमारे लिए यह बहुत गर्व की बात है कि यह भारत की पहली प्रदूषण-मुक्त ट्रेन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज हमारे बीच होंगे और हरी झंडी दिखाकर इसका उद्घाटन करेंगे। हमें इसमें पहली बार सफर करने पर गर्व महसूस हो रहा है। यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक पल और बहुत गर्व की बात है। एक शिक्षक ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा",यह हमारे बच्चों के लिए सौभाग्य की बात है कि हमें इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने का मौका मिला।हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रेन मैनेजर नितिन पारिख ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा",यह हाइड्रोजन से चलने वाली दुनिया की सबसे लंबी ट्रेन है और सबसे ज्यादा प्रदूषणमुक्त ट्रेनों में से एक है। यह हाइड्रोजन से चलती है और इससे सिर्फ़ पानी निकलता है, किसी भी तरह का प्रदूषण नहीं होता। हमने इलेक्ट्रिक , डीज़ल और सीएनजी ट्रेनों के सफल ट्रायल पहले ही कर लिए हैं, लेकिन यह अपनी तरह की पहली हाइड्रोजन ट्रेन है जिसमें 10कोच हैं।बता दें कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई है। यह ट्रेन स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके विकसित की गई है, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। इसके साथ ही, भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा जिनके पास हाइड्रोजन-चालित ट्रेनें परिचालन में हैं।यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलती है, जो हाइड्रोजन को बिजली में परिवर्तित करके ट्रेन को आगे बढ़ाती है।

मन चंगा तो कठौती में गंगा, संत रविदास जी की शिक्षाओं से ही बनेगा सतयुगःअनिल विज

चंडीगढ़ (संवाददाता)

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि संत गुरू रविदास महाराज ने कहा था कि"मन चंगा तो कठौती में गंगा "यदि आपका मन ठीक है तो कुछ और करने की जरूरत नहीं और गंगा आप के बीच में बह रही है। यदि हम उनकी शिक्षाएं धारे तो आज सतयुग बन सकता है। विज अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जालंधर छावनी से वाराणसी तक आरंभ की गई "संत रविदास एक्सप्रेस " के बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं/लोगों के साथ स्वागत के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि जालंधर छावनी से प्रारंभ की गई इस ट्रेन में सवार सारे यात्री न केवल यहां से , बल्कि हिंदुस्तान से वाराणसी रविदास जी की जन्मस्थली पर जाते हैं। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है और अगर विश्व उनकी कहीं बातों पर विश्वास कर लें

तो यह युग कोई भी है, तो यह स्वर्ग बन सकता है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि गुरू रविदास जी की कही बाते श्री गुरू ग्रंथ साहिब में भी शामिल की गई है। उन्होंने जात-पात से ऊपर उठने, अपने आप को सबके सामान रखने सब सामान हो। रविदास जी ने यह भी कहा कि कोई भी कार्य छोटा व बड़ा नहीं होता। वो स्वयं जूते गांठने का काम करते थे, उन्होंने अपने आप को कभी यह नहीं माना कि वह कोई छोटा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह काम कर रहे हैं और काम काम होता है। कोई भी काम जो निष्ठा से करता है वह सब बराबर है , यह उन्होंने अपनी शिक्षाओं में कहा। अगर उनकी शिक्षाएं लोग धारे तो आज सतयुग बन सकता है।

*बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं/लोगों के साथ नई ट्रेन का स्वागत किया*इससे पहले, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के साथ संत रविदास एक्सप्रेस का स्वागत किया। ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही उन्होंने ट्रेन व स्टाफ पर फूलों की बरखा कर व स्टाफ को मालाएं पहनाकर उनका छावनी स्टेशन पर स्वागत किया।इस अवसर पर सांसद कार्तिकेय शर्मा के अलावा नगर परिषद अम्बाला छावनी की चेयरमैन स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, सुनील नदारिया, अनिल नागर, विजेंद्र चौहान, रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, रमन छतवाल , अनुज यादव, राजू बाली, प्रमोद, सन्नी तुली, बलजिंद्र सिंह, श्याम सुंदर अरोड़ा, आरती सहगल, रीना शाक्य , शिल्पा पासी, हिमांशु, दिवांश वालिया, सुनील

सोनम वांगचुक का साथ देकर युवाओं के भविष्य की लड़ाई को मजबूती देंःचौटाला

चंडीगढ़ (संवाददाता)

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक का समर्थन किया है। शुक्रवार को हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जेजेपी युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला व अन्य वरिष्ठ जेजेपी नेताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर स्थित धरना स्थल पर पहुंचकर सोनम वांगचुक के संघर्ष का समर्थन किया और उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान जेजेपी नेताओं ने सोनम वांगचुक को संघर्ष की मिसाल जननायक चौधरी देवीलाल और संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर और जननायक ग्रंथ भेंट करके उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें भरोसा दिलाया कि जेजेपी का प्रत्येक कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा है। साथ ही जेजेपी नेताओं ने 20 दिनों के अनशन के बाद लगातार सोनम वांगचुक के गिरते स्वास्थ्य पर गहरी चिंता व्यक्त की। पत्रकारों से रूबरू होते हुए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यह जन आंदोलन अपने उद्देश्य को अवश्य प्राप्त करेगा, लेकिन सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उनसे विनम्र आग्रह किया है कि वे अपना अनशन विराम दें और इस संघर्ष को सामूहिक शक्ति, जनसमर्थन और लोकतांत्रिक प्रयासों के साथ आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त आंदोलन के लिए नेतृत्व का स्वस्थ और सुरक्षित रहना उतना ही आवश्यक है। साथ ही दुष्यंत चौटाला ने सभी से आह्वान किया कि सभी सोनम वांगचुक का साथ देकर युवाओं के भविष्य की लड़ाई को मजबूती दें। वहीं जेजेपी युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने सोनम वांगचुक की सभी मांगों को जायज बताया और कहा कि युवाओं के हित में आज देश की खराब शिक्षा व्यवस्था को बदलने की बात हो रही है इसलिए जेजेपी मजबूती के साथ वांगचुक के साथ खड़ी है और 20 जुलाई को होने वाले संसद मार्च को जेजेपी का पूरा समर्थन रहेगा। दिग्विजय ने कहा कि भूख हड़ताल के कारण दिनों-दिन सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ती जा रही है, लेकिन सत्ता में बैठे अहंकारी लोगों में जरा भी इंसानियत नहीं बची है।

19दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक की चिंता पूरे देश के युवाओं की चिंताःकुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (संवाददााता)

सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कुमारी सैलजा ने कहा कि पिछले 19दिनों

से सोनम वांगचुक का अनशन केवल एक व्यक्ति का आंदोलन नहीं है, बल्कि यह देश के लाखों छात्रों और युवाओं की उस पीड़ा का प्रतीक है जो लगातार पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली की खामियों और जवाबदेही के अभाव के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं का विश्वास किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी होता है और सरकार का दायित्व है कि वह निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। कुमारी सैलजा ने कहा कि जब परीक्षाओं में पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, पेपर लीक जैसी घटनाएं बार-बार सामने आती हैं और दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं होती , तब सबसे अधिक नुकसान मेहनत करने वाले विद्यार्थियों को उठाना पड़ता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार छात्रों के अधिकारों की आवाज बुलंद कर रहे हैं तथा इस पूरे मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय करने और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पिछले डेढ़ महीने से छात्रों और युवाओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और जब तक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार नहीं होगा, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा। कुमारी सैलजा ने सोनम वांगचुक से उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अनशन समाप्त करने का आग्रह किया।

जींद के रिलायंस सीबीजी प्लांट पर कांग्रेस का हमला, राव नरेंद्र सिंह बोले ग्रीन एनर्जी के नाम पर जनता की सेहत से खिलवाड़

चंडीगढ़ (संवाददााता)

हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राव नरेंद्र सिंह ने जींद स्थित रिलायंस कम्प्रेस्ड बायो-गैस(सीबीजी) प्लांट को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जींद में हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर ग्रीन एनर्जी का संदेश दिया , लेकिन उसी जिले में पिछले साढ़े तीन महीनों से रिलायंस के सीबीजी प्लांट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों की आवाज को सरकार नजरअंदाज कर रही है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि गोहाना रोड स्थित रिलायंस सीबीजी प्लांट घनी आबादी के बीच संचालित हो रहा है और स्थानीय लोगों के अनुसार प्लांट से निकलने वाले धुएं, दुर्गंध और प्रदूषण के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे क्षेत्र में अस्थमा, गले के संक्रमण और अन्य बीमारियों के मामले बढ़ रहे हैं तथा स्थानीय लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्लांट के कारण क्षेत्र की हवा और भूजल प्रदूषित हो रहे हैं तथा आसपास की संपत्तियों के मूल्य भी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर आवासीय क्षेत्र में इस प्लांट को संचालित करने की अनुमति दी गई है और प्रशासन इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा।राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस की मांग है कि रिलायंस सीबीजी प्लांट का संचालन तत्काल बंद किया जाए, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड(सीपीसीबी) से इसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराई जाए तथा प्लांट को आबादी से दूर किसी उपयुक्त औद्योगिक क्षेत्र में स्थानांतरित किया जाए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस स्थानीय निवासियों के आंदोलन के साथ खड़ी है और इस मुद्दे को केवल जींद तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि पूरे हरियाणा में उठाया जाएगा। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह कॉर्पोरेट हितों को जनता के स्वास्थ्य और पर्यावरण से ऊपर रख रही है।

हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली देश की पहली ट्रेन का सोनीपत में भव्य स्वागत

सोनीपत (संवाददााता)

देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से संचालित ट्रेन के सोनीपत रेलवे स्टेशन पहुंचने पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार के नेतृत्व में सोनीपतवासियों ने ऐतिहासिक एवं भव्य स्वागत किया। सोनीपत रेलवे स्टेशन पर सभी ने तालियां बजाकर, भारत माता के जयघोष के साथ इस ऐतिहासिक उपलब्धि का स्वागत किया।

हरियाणा बना हरित परिवहन क्रांति का अग्रदूतःकृष्ण लाल पंवार

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि आज का दिन हरियाणा ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का दिन है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर भारत को हरित परिवहन के नए युग में प्रवेश कराया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व के कारण हरियाणा को यह गौरव प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन अत्याधुनिक फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित है। इसमें हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रक्रिया से विद्युत ऊर्जा उत्पन्न होती है, जिससे ट्रेन संचालित होती है। इस प्रक्रिया में किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं होता और केवल जलवाष्प उत्सर्जित होती है। यह तकनीक पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की बड़ी उपलब्धि है।

पर्यावरण संरक्षण के साथ आधुनिक भारत की नई पहचान बनेगी हाइड्रोजन ट्रेन

श्री पंवार ने कहा कि यह ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच लगभग 90 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और आने वाले समय में स्वच्छ, सुरक्षित एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन का नया विकल्प बनेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से नई तकनीकों को अपनाते हुए विश्व के विकसित देशों की श्रेणी में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं से हर वर्ग को दे रही लाभ

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार केवल आधुनिक परिवहन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं भी लागू कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं हरियाणा सरकार द्वारा हैप्पी कार्ड योजना के तहत पात्र नागरिकों को परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे कम आय वाले परिवारों को प्रदेशभर में निर्धारित सीमा तक निःशुल्क यात्रा का लाभ मिल रहा है। वरिष्ठ नागरिकों , विद्यार्थियों तथा अन्य पात्र वर्गों के लिए भी परिवहन संबंधी विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

1853 में चली पहली रेल, अब 2026 में हाइड्रोजन ट्रेन से नया इतिहास

उन्होंने कहा कि वर्ष 1853 में भारत की पहली रेल मुंबई के बोरीबंदर से ठाणे के बीच चली थी और आज वर्ष 2026में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन हरियाणा की धरती से संचालित होकर एक नया इतिहास रच रही है। यह उपलब्धि भारत की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी विकास और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई मजबूती प्रदान करेगी।

अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा इस ऐतिहासिक परियोजना से जुड़े सभी वैज्ञानिकों , इंजीनियरों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और भारत को स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था की दिशा में नई पहचान दिलाएगी।

इस अवसर पर सोनीपत के विधायक निखिल मदान ने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है और यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के नेट प्रॉफिट में 22%की बड़ी गिरावट, रेवेन्यू में 25.4%की जोरदार बढ़ोतरी

मुंबई (एजंसी)

देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के

वित्तीय नतीजे जारी कर दिए। कंपनी ने बताया कि इस दौरान उनका नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 22 प्रतिशत घटकर 20,946करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, टेलीकॉम, ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस के अच्छे प्रदर्शन से कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट और EBITDA रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। रिलायंस के रेवेन्यू में 25.4 प्रतिशत की जोरदार बढ़ोतरी

रिलांयस ने शुक्रवार को अप्रैल-जून 2026-26तिमाही के नतीजों की जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू 25.4प्रतिशत बढ़कर 3.12लाख करोड़ रुपये हो गया। जून तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट घटकर 20,946करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में ये 26,994 करोड़ रुपये था। गिरावट की मुख्य वजह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 8,924करोड़ रुपये का वन-टाइम प्रॉफिट है। उस समय कंपनी को एशियन पेंट्स में अपनी हिस्सेदारी बेचने से असाधारण प्रॉफिट हुआ था। अगर इस वन-टाइम प्रॉफिट को हटा दिया जाए तो जून तिमाही में रिलायंस का वास्तविक प्रदर्शन मजबूत रहा है।

तिमाही आधार पर रिकॉर्ड 54,067 करोड़ रुपये हुआ रिलायंस का EBITDA

रिलायंस ने कहा कि तिमाही आधार पर उसका EBITDA 10.1प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 54,067करोड़ रुपये हो गया, जबकि नेट प्रॉफिट 6.1 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 23,196करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलग-अलग बिजनेस सेगमेंट का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, जहां ऑयल-टू-केमिकल (O2C)और टेलीकॉम बिजनेस ने मजबूत ग्रोथ दर्ज की। जबकि रिटेल बिजनेस अपेक्षाकृत कमजोर रहा। रिलायंस रिटेल का रेवेन्यू 7.4 प्रतिशत बढ़कर 90,408 करोड़ रुपये हुआ, लेकिन डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म में लगातार इंवेस्टमेंट के कारण EBITDA 1.1 प्रतिशत घटकर 6,309करोड़ रुपये रह गया और मार्जिन 7.9प्रतिशत तक सिमट गया।ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस की सालाना आय में शानदार बढ़ोतरी ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस की मुख्य आय सालाना आधार पर 17.2 प्रतिशत बढ़कर 17,010करोड़ रुपये हो गई। बेहतर रिफाइनिंग मार्जिन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की मांग ने इस वृद्धि को सहारा दिया। टेलीकॉम बिजनेस, कंपनी की वृद्धि का प्रमुख इंजन बना रहा। जियो प्लेटफॉर्म्स का प्रॉफिट 15.1प्रतिशत बढ़ा, जबकि कस्टमर बेस 53.3करोड़ से ज्यादा हो गया। टेक इंवेस्टमेंट्स से रे वेन्यू में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। जियो प्लेटफॉर्म्स ने दर्ज किया 20,865करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कर-पूर्व लाभ जियो प्लेटफॉर्म्स ने 20,865करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कर-पूर्व लाभ (Profit before tax) दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 15.1प्रतिशत ज्यादा है। EBITDA मार्जिन 1.50प्रतिशत अंक बढ़कर 53.3प्रतिशत हो गया। जून तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म्स ने SEBI के पास मसौदा दस्तावेज दाखिल कर दिया है जो इसके संभावित आईपीओ की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विदेश मंत्रालय ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर दिया बड़ा अपडेट! 2027 में शुरु होगा पहला सेक्शन, 2030में मिलेगी जापान की E10ट्रेन

मुंबई (एजंसी)

भारत की पहली बुलेट ट्रेन का सपना संजोए बैठे करोड़ों देशवासियों के लिए मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट से एक बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत और जापान के बीच इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर चल रही द्विपक्षीय बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को इस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। दोनों देशों ने प्रोजेक्ट की टाइमलाइन और ट्रेनों के संचालन को लेकर नया फैसला किया है। इस नए रणनीतिक बदलाव के तहत तय समय पर बुलेट ट्रेन सेवा शुरू करने का रास्ता तो साफ हो गया है, लेकिन पटरियों पर दौड़ने वाली ट्रेनों को लेकर एक बड़ा मोड़ आया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वरिष्ठ राजनयिक रणधीर जायसवाल ने बताया कि मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड ट्रेन पर भारत जापान की बातचीत अच्छी चल रही है। जापान 2030की शुरुआत में ई-10सीरीज की ट्रेन देगा। यह ट्रेन अभी बन रही है। इस बीच कंस्ट्रक्शन का काम तेजी से आगे बढ़ा है। पहला सेक्शन 2027 में खोला जाएगा। इसलिए, दोनों पक्ष भारतीय हाई स्पीड ट्रेन के साथ ऑपरेशन शुरू करने पर सहमत हुए। प्रोजेक्ट का काम जल्द से जल्द हाई स्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट शुरू करने के कॉमन गोल के हिसाब से चल रहा है।

बुलेट ट्रेन परियोजना के बुनियादी ढांचे को लेकर सबसे अच्छी खबर यह है कि जमीनी स्तर पर कंस्ट्रक्शन का काम तेजी गति से आगे बढ़ रहा है। सरकार और संबंधित एजेंसियों के मुस्तैद प्रयासों के चलते परियोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। इसी तेज प्रगति का नतीजा है कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का पहला सेक्शन साल 2027में आम जनता के सफर के लिए खोल दिया जाएगा।

रिकार्ड बनाने के बाद UPI की रफ्तार हुई कम! जून में घटा ट्रांजैक्शन वैल्यू, सामने आए नए आंकड़े

मुंबई (एजंसी)

देश में डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा माध्यम बन चुके यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ने जून 2026में भी मजबूत प्रदर्शन किया, लेकिन मई में बने रिकॉर्ड के मुकाबले इसकी रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में UPI के जरिए 22.72अरब ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी कुल वैल्यू 28.9 लाख करोड़ रुपये रही। हालांकि यह आंकड़ा मई के रिकॉर्ड 29.9लाख करोड़ रुपये से कम है, लेकिन सालाना आधार पर इसमें करीब 20फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।NPCI के मुताबिक , मई 2026में UPI ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 29.9लाख करोड़ रुपये थी, जो अब जून में घटकर 28.9 लाख करोड़ रुपये रह गई। वहीं ट्रांजैक्शन की संख्या भी 23.2 अरब से घटकर 22.72अरब पर आ गई। हालांकि विशेषज्ञ इसे सामान्य उतार-चढ़ाव मान रहे हैं।रोजाना सबसे ज्यादा ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्डभले ही मासिक आंकड़ों में हल्की गिरावट देखने को मिली हो, लेकिन जून में रोजाना औसतन 75.7करोड़ UPI ट्रांजैक्शन हुए, जो UPI के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक औसत है। इससे साफ है कि छोटे-बड़े भुगतान के लिए लोग तेजी से UPI को ही प्रायोरिटी दे रहे हैं।जून 2025की तुलना में जून 2026में UPI ने शानदार बढ़त दर्ज की है। पिछले साल जून में 18.3अरब ट्रांजैक्शन हुए थे, जबकि इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 22.72 अरब पहुंच गया। इसी तरह ट्रांजैक्शन वैल्यू भी करीब 5लाख करोड़ रुपये बढ़ी है, जो डिजिटल भुगतान के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।भारत का UPI अब केवल देश तक सीमित नहीं है। यह यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर समेत आठ से ज्यादा देशों में उपलब्ध है। इससे भारतीयों को विदेशों में भी आसान डिजिटल भुगतान की सुविधा मिल रही है और भारत की फिनटेक ताकत वैश्विक स्तर पर मजबूत हो रही है।

क्या रुस से तेल खरीदना भारत को पड़ेगा भारी अमेरिकी सीनेट ने तैयार किया 100%टैरिफ ठोकने का नया प्लान!

मॉस्को (एजंसी)

रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका अब और सख्त

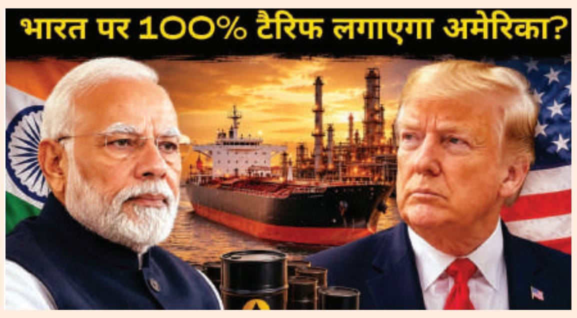

रुख अपनाने की तैयारी में है। अमेरिकी सीनेट में एक नया बिल पेश किया गया है, जिसमें भारत, चीन समेत पांच देशों पर 100%तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। अगर यह बिल कानून बन जाता है, तो भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों और भारतीय निर्यात पर इसका असर पड़ सकता है। हालांकि, फिलहाल यह केवल एक प्रस्ताव है और इसे लागू होने से पहले अमेरिकी संसद की पूरी प्रक्रिया से गुजरना होगा।

अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए इस बिल के तहत भारत, चीन, स्लोवाकिया , हंगरी और अज़रबैजान जैसे देशों पर 100%आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। अमेरिका का कहना है कि ये देश रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे हैं, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिलती है और यूक्रेन युद्ध के लिए उसे राजस्व प्राप्त होता है। आपको बता दें कि, हाल ही में अमेरिका ने ब्राजील से आने वाले कई सामानों पर 25%टैरिफ लगा दिया है।

इस विधेयक का उद्देश्य रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाना है। प्रस्ताव में रूस के राजनीतिक नेतृत्व, वित्तीय संस्थानों, ऊर्जा क्षेत्र और प्रतिबंधों से बचने वाले नेटवर्क पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। अमेरिकी सांसदों का मानना है कि इससे रूस की आय कम होगी और उस पर युद्ध समाप्त करने का दबाव बढ़ेगा।दिलचस्प बात यह है कि इस प्रस्ताव में कुछ यूरोपीय देशों को राहत दी गई है। जिन देशों की रूस से प्राकृतिक गैस की खरीद रूस के कुल गैस निर्यात का 15%से कम है और जो अपनी निर्भरता कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं, उन्हें इस टैरिफ से छूट देने का प्रस्ताव रखा गया है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में आया भारी उछाल, रिकार्ड 675 अरब के पार पहुंचा आंकड़ा देखें RBI की रिपोर्ट

मुंबई (एजंसी)

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक और अच्छी खबर सामने आई है। भारतीय रिजर्व बैंक(RBI)की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 10 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 964 मिलियन डॉलर बढ़कर 675.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया। लगातार दूसरे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज होने से यह साफ संकेत मिलता है कि देश की बाहरी वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है। इससे रुपये को भी मजबूती मिलने और विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है।RBI के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फॉरेन करेंसी एसेट (FCA) होती हैं। इस बार इनमें 930मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसके बाद इनका कुल मूल्य 546.51अरब डॉलर हो गया। FCA में डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और जापानी येन जैसी प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मूल्य में बदलाव का भी असर शामिल होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के गोल्ड रिजर्व में भी बढ़ोतरी हुई है। देश का स्वर्ण भंडार 24मिलियन डॉलर बढ़कर 105.23अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष(IMF) के साथ भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स(SDRs) 3मिलियन डॉलर बढ़कर 18.626अरब डॉलर हो गए। इसके अलावा IMF में भारत की रिजर्व ट्रेंच पोजिशन भी 7मिलियन डॉलर बढ़कर 4.793अरब डॉलर पर पहुंच गई।इससे पहले हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7.26अरब डॉलर बढ़ा था। RBI के अनुसार, इससे पहले मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और रुपये पर दबाव के कारण केंद्रीय बैंक को विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर बेचकर हस्तक्षेप करना पड़ा था , जिसकी वजह से भंडार में कुछ समय तक गिरावट देखी गई थी।हालांकि विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार सुधार हो रहा है, लेकिन यह अब भी अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे है। इस साल 27फरवरी 2026को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 728.494 अरब डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। यदि वैश्विक परिस्थितियां अनुकूल रहीं और विदेशी निवेश का फ्लो जारी रहा, तो आने वाले महीनों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार फिर नए रिकॉर्ड की ओर बढ़ सकता है।

भारत के भुगतान संतुलन में सुधार की उम्मीद, अगले वित्त वर्ष में सरप्लस में लौट सकता हैः रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजंसी)

ई दिल्ली 17जुलाई ,। लगातार दो वर्षों के घाटे के बाद भारत का भुगतान संतुलन वित्त वर्ष 2026-27में अधिशेष में लौट सकता है। इसका मुख्य कारण शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी

निवेश(एफडीआई) और अन्य पूंजी प्रवाह में मजबूती रहने की संभावना है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27में शुद्ध एफडीआई बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025-26में 6.9 अरब डॉलर था। यह वृद्धि सकल एफडीआई प्रवाह में मजबूती के कारण संभव होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, एफसीएनआर(बी) जमा, एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग(ईसीबी) और ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग के लिए रियायती स्वैप विंडो के माध्यम से वित्त वर्ष 2026-27में सामूहिक रूप से 45से 60अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि पूंजी खाते का अधिशेष वित्त वर्ष 2025-26 के महज 2 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में लगभग 73अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए चालू खाता घाटे के अपने अनुमान को भी घटाकर जीडीपी के 0.8से 1.2प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 2.1 प्रतिशत था। सीएडी के अनुमान में यह कमी मुख्य रूप से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, सेवा निर्यात और रेमिटेंस में मजबूती तथा वस्तु निर्यात में सुधार के कारण की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया,"हमारा संशोधित सीएडी अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि वित्त वर्ष 2026-27में कच्चे तेल की औसत कीमत 80-85डॉलर प्रति बैरल रहेगी। यदि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें इससे भी कम रहती हैं, तो सीएडी जीडीपी के 1 प्रतिशत से भी नीचे आ सकता है।"

सरकार ने विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत कदम उठाए हैं। इनमें विदेशी मुद्रा बॉन्ड के दायरे का विस्तार, सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करने वाले एफआईआई/एफपीआई के लिए कर छूट तथा एनआरआई और ओसीआई के लिए निवेश सीमा बढ़ाना शामिल है।

रिपोर्ट के अनुसार, डेट मार्केट से जुड़े कुछ उपाय भारत को ब्लूमबर्ग ग्लोबल एग्रीगेट इंडेक्स में शामिल किए जाने की राह में मौजूद प्रमुख बाधाओं को भी दूर करते हैं। इन कदमों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को भी समर्थन मिलने की उम्मीद है।

वस्तु निर्यात ने वित्त वर्ष 2026-27 की मजबूत शुरुआत की है। पहली तिमाही में इसमें 15.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें पेट्रोलियम निर्यात 35.1प्रतिशत और गैर-पेट्रोलियम निर्यात 12.5प्रतिशत बढ़ा। एजेंसी ने कहा",हमें उम्मीद है कि वस्तु निर्यात की यह सकारात्मक रफ्तार आगे भी

शेयर बाजार में आई तूफानी तेजी! सेंसेक्स 964 अंक चढ़ा, निफ्टी भी 261अंक उछला

मुंबई (एजंसी)

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली। दिनभर खरीदारी का माहौल बना रहा और बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 964.58 अंक चढ़कर 78,151.45पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 261.55 अंक की तेजी के साथ 24,334.30के स्तर पर पहुंच गया। आईटी, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। बता दें कि आज सुबह भी शेयर बाजार में तेजी के साथ शुरुआत थी।आज के कारोबार में सबसे ज्यादा तेजी प्राइवेट बैंक और आईटी सेक्टर में देखने को मिली। निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स करीब 2फीसदी और निफ्टी बैंक 1.6 फीसदी मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.7फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा ऑटो और रियल्टी सेक्टर भी करीब 1.3 फीसदी चढ़े, जबकि ऑयल एंड गैस और एफएमसीजी शेयरों में भी अच्छी खरीदारी देखने को मिली।निफ्टी के टॉप गेनर्स में कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, टीसीएस , जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल रहे। दूसरी ओर हिंदाल्को, डॉ. रेड्डीज लैब, विप्रो, सन फार्मा और मैक्स हेल्थकेयर के शेयर दबाव में रहे। हालांकि कुछ बड़े शेयरों में गिरावट के बावजूद बाजार की कुल चाल सकारात्मक बनी रही।

बाजार में तेजी आने की कई बड़ी वजहें रहीं। टेक महिंद्रा के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों ने पूरे आईटी सेक्टर का उत्साह बढ़ाया। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के मजबूत जून तिमाही परिणामों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और शेयर में अच्छी तेजी आई। इसके साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज के आने वाले तिमाही नतीजों को लेकर भी बाजार में सकारात्मक उम्मीदें बनी हुई हैं। इसके अलावा हाल की गिरावट के बाद बड़े शेयरों में वैल्यू बायिंग देखने को मिली। निफ्टी का 24,200के अहम स्तर के ऊपर निकलना भी बाजार के लिए सकारात्मक संकेत माना गया, जिससे निवेशकों ने जमकर खरीदारी की।

जहां बड़ी कंपनियों के शेयरों में जोरदार तेजी रही, वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हल्की कमजोरी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.2फीसदी नीचे बंद हुआ। इसके बावजूद प्रमुख सूचकांकों की मजबूत बढ़त ने यह संकेत दिया कि फिलहाल बाजार का रुख सकारात्मक बना हुआ है और निवेशकों का भरोसा मजबूत हो रहा है।

संपादकीय

जाति, धर्म और आरक्षण

मतांतरण से आरक्षण नहीं मिलता। इस्लाम अपनाने वाला व्यक्ति अपना मत बदल कर मुसलमान हो सकता है लेकिन पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं रह जाता। मद्रास हाई कोर्ट ने कहा है कि ईसाई मिशनरियों और इस्लामी उपदेशकों ने सदियों तक अपने-अपने पंथ की प्रशंसा की है कि उनके यहां सामाजिक समता है। बराबरी है। भेदभाव नहीं है। हिन्दुओं में जाति व्यवस्था है। कोर्ट ने कहा है कि उसका मत है कि कुछ वर्गों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा बताना कुरान की शिक्षा के विपरीत है। फिर इस्लाम का तो दावा ही बराबरी वाला समाज बनाना है। बहुत लम्बे समय से ईसाई और इस्लामी धर्म उपदेशक धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी पिछड़े वर्गों की सुविधाएं मांगते रहे हैं। भिन्न-भिन्न राज्यों के उच्च न्यायालयों ने ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं और फैसले सुनाए हैं। लेकिन राजनीतिक दलतंत्र द्वारा धर्मांतरित व्यक्ति के लिए भी आरक्षण की सुविधा मांगी जाती रही है। इस दफा न्यायालय ने साफ कर दिया है कि सिर्फ मतांतरण करने से किसी व्यक्ति का वर्ग नहीं बदलता और मतांतरित व्यक्ति को पिछड़े वर्ग का सदस्य नहीं माना जा सकता।

मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के मार्च 2024 के आदेश को असंवैधानिक बताया है और उसे रद्द कर दिया है। सरकारी आदेश में मतांतरण करने वाले व्यक्ति को मुस्लिम पिछड़ा वर्ग का सदस्य माना गया था। मतांतरित व्यक्ति को भी पिछड़े वर्गों के रूप में मान्यता देने का प्रावधान किया गया था। यह चर्चित फैसला मद्रास हाई कोर्ट की पीठ ने 25जून को सुनाया है। कोर्ट ने यह निर्णय सम्यक विचारोपरान्त एक ऐसे मामले में दिया है, जिसमें एक व्यक्ति, जिसका जन्म हिन्दू परिवार में हुआ था और बाद में उसने हिन्दू धर्म छोड़ कर अपना नाम समीर अहमद रख लिया था। मुसलमान हो जाने के बाद उसने स्वयं को मुस्लिम लेब्बाई समुदाय का सदस्य बताया। उसने अपने तहसीलदार से पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र की मांग की। तहसीलदार ने उसका आवेदन खारिज कर दिया। तब वो हाईकोर्ट पहुंचा।

तमिलनाडु सरकार ने अपने आदेश में प्रावधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या डिनोटिफाइड समुदायों से आने वाले लोग यदि धर्मांतरण करते हैं और इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें भी पिछड़े वर्गों के रूप में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। सरकार का तर्क था कि इससे मतांतरण करने वाले व्यक्तियों के भी अधिकार सुरक्षित रहेंगे। लेकिन कोर्ट ने यह दलील नहीं मानी और स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण का आधार पंथ या मजहब नहीं होता। बल्कि सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ापन होता है। कोर्ट ने साफ किया कि संवैधानिक श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग को एक साथ मिला कर नई श्रेणी बनाना संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है।

मद्रास हाई कोर्ट ने ही 1951के फैसले का हवाला देते हुए कहा था कि",जब कोई हिन्दू इस्लाम अपनाता है तो वह सिर्फ मुसलमान बनता है। समाज में उसकी प्रतिष्ठा जाति के आधार पर नहीं होती। हिन्दू धर्म छोड़ते ही वह अपनी मूल जाति का सदस्य नहीं रह जाता।" आरक्षण का मसला भारत की संविधान सभा में भी आया था। मजहबी आधार पर ही देश का विभाजन हो चुका था। संविधान सभा बड़े उदास क्षणों में आरक्षण पर विचार कर रही थी। संविधान सभा ने सरदार पटेल की अगुवाई में अल्पसंख्यकों के आरक्षण के मुद्दे पर विचार करने के लिए समिति बनाई थी। समिति ने अपनी सिफारिश में मजहबी आरक्षण को सिरे से खारिज कर दिया था।

सभा की अल्पसंख्यक अधिकारों, मूलाधिकारों संबंधी समिति के सभापति सरदार पटेल ने संविधान सभा में समिति की रिपोर्ट (25मई, 1949(पेश की। लगातार दो दिन(25व 26मई, 1949(बहस हुई। जगत नारायण लाल ने कहा",भारत एक लौकिक (सेकुलर (राज्य होगा। उसके बाद रक्षणों की कोई मांग नहीं होनी चाहिए। जहाँ तक अनु. जातियों का प्रश्न है उन्हें आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हुए होने के कारण ही रक्षण दिया गया है।" ज्यादातर सदस्यों ने अनु. जाति के अस्थाई आरक्षण को सही बताया लेकिन'आरक्षण ' की मूल भावना को कोसा। नजीरुद्दीन अहमद ने कहा",मैं समझता हूँ कि किसी प्रकार के रक्षण स्वस्थ राजनीतिक विकास के प्रतिकूल हैं। उनसे एक प्रकार की हीन भावना प्रकट होती है।..... श्रीमान रक्षण ऐसा रक्षा उपाय है जिससे वह वस्तु जिसकी रक्षा की जाती है वह नष्ट हो जाती है। जहाँ तक अनु. जातियों का संबंध है, हमें कोई शिकायत नहीं है।"

मूल्य श्रृंखला का जुड़ावः पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3त्र , औद्योगिक उत्पादन में 13त्र और निर्यात में 12त्र का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोजग़ार देने वाला यह क्षेत्र 45मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजग़ार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुजरता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8त्र से 10त्र और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20त्र है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र (योजना शुरू की, जिसके लिए?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी 5एफ फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत (से फ़ाइबर (रेशा (से फ़ैक्टरी (कारखाना (से फ़ैशन और फारेन (विदेश (तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती हैः हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है।

1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई , बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाज़ारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब-स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ज़ेडएलडी(तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है।पीएम मित्र पार्क तेज़ी से कागज़ी योजनाओं को असल ज़मीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैंः पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु ※(नवसारी (गुजरात ※(कलबुर्गी (कर्नाटक ※(धार (मध्य प्रदेश(और लखनऊ (उत्तर प्रदेश(और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना (और अमरावती (महाराष्ट्र (में। अब तक, इस योजना में कुल ?69,899करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से?27,658करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।10 मई , 2026 को माननीय प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के वारंगल में पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क में पहले ही?3,862 करोड़ का निवेश हो चुका है और यहाँ विश्व-स्तरीय पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचे पर काम किया जा रहा है। ये विशेषताएँ स्थायित्व के उन मानकों को दर्शाती हैं , जिन्हें सभी सात पार्क साइटों पर स्थापित किया जा रहा है।

पूरे देश में एक साथ काम शुरू होने से सहकारी संघवाद की तेज़ी और सफलता दोनों साफ दिखती है, जहां सभी सात राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 100त्र ज़मीन का अधिग्रहण हो चुका है और पर्यावरण से जुड़ी मंज़ूरी भी मिल गई है। पाँच ग्रीनफ़ील्ड साइट्स के लिए जेवी एग्रीमेंट और एसपीवी पूरी तरह से तैयार हैं, जिससे तेज़ी से काम आगे बढ़ रहा है। 2,158एकड़ में फैले सबसे बड़े पार्क, धार(मध्य प्रदेश(में?21,436.9करोड़ के निवेश में दिलचस्पी दिखाई गई है। इसी तरह गुजरात※)13,084करोड़※(महाराष्ट्र※)12,925 करोड़ ※(तमिलनाडु ※)6,600करोड़ ※(उत्तर प्रदेश※)5,345.8करोड़(और कर्नाटक※)1,700 करोड़ (में भी काम को लेकर तेज़ी देखी गई है। तेज़ी से हो रहे इस काम के पीछे केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह का सक्रिय नेतृत्व है। उनके कुशल नेतृत्व में वस्त्र मंत्रालय अपने कामकाज के तरीकों में तेज़ी लाया है, मंत्रालय ने प्रशासनिक रुकावटों को दूर किया है और राज्य सरकारों के साथ अभूतपूर्व स्तर पर आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया है।

लेकिन आंकड़े तो कहानी का सिर्फ एक हिस्सा बताते हैं, असली पैमाना इसके मानवीय प्रभाव में दिखता है। प्रत्येक पार्क को संरचनात्मक रूप से इस प्रकार तैयार किया गया है कि इससे लगभग 3लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यानी सभी सात स्थलों को मिलाकर, 21 लाख से अधिक औपचारिक आजीविकाएं हैं, जो हमारे ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को अहम सामाजिक-आर्थिक नींव प्रदान करती हैं, जो पारंपरिक रूप से परिधान निर्माण उद्योग की रीढ़ हैं।यह व्यापक ढांचागत प्रयास वस्त्र क्षेत्र के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण 2030के लिए एक अहम लॉन्चपैड का काम करता है, जिसका लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर की वैश्विक महाशक्ति में बदलना है। ऐतिहासिक विखंडन को विश्व स्तरीय, एकीकृत पैमाने से बदलकर करके, पीएम मित्र एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है। सशक्त नेतृत्व के मार्गदर्शन में, हम भारत को वस्त्रों के निर्विवाद, टिकाऊ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी केंद्र के तौर पर स्थापित कर रहे हैं।

वीबी-जी राम जी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को करेगा मजबूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने ग्रामीण सशक्तीकरण को लेकर बड़ा कदम उठाया है, जो एक जुलाई, 2026से पूरे देश में वीबी-जी राम जी के नाम से लागू होने जा रहा है। मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) वीबी-जी राम जी(योजना पूरे देश के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर , समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। गांवों से रोजगार की तलाश में शहरों में हो रहे पलायन को रोकने के लिए यह एक कारागार कदम है। वित्तीय वर्ष 2026-27के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना में 95हजार, 692 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जो ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन राशि है। राज्यों के राज्यांश सहित इस कार्यक्रम का कुल परिव्यय 1.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है।

ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे प्रत्येक पात्र परिवार को अब एक वित्तीय वर्ष में 100दिन से बढ़ाकर 125दिन का रोजगार देने की वैधानिक गारंटी प्रदान की गई है। पहले श्रमिकों को 15दिन में भुगतान किया जाता था, अब साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है। भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक अथवा डाकघर खातों में जाएगा, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी। वहीं, निर्धारित समय की अवधि में रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ते और मजदूरी भुगतान में देरी होने पर क्षतिपूर्ति देना भी वैधानिक प्रावधान है। यह निर्णय ग्रामीण आय में वृद्धि और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन मौजूदा मनरेगा जॉब कार्ड के लिए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है, वे वीबी-जीरामजी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध बने रहेंगे।

यह मनरेगा का एक उन्नत और आधुनिक रूप है। यह ग्रामीण परिवारों को एक साल में 125दिन के गारंटीकृत रोजगार और समय पर मजदूरी नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ते की कानूनी गारंटी देता है। ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन तक के अकुशल शारीरिक काम करने की गारंटी दी जाती है। कृषि मौसम में 60दिन की राहत प्रदान की गई। कृषि क्षेत्र में बुवाई और कटाई जैसे चरम समय के दौरान मजदूरों की कमी नहीं हो, इसलिए राज्य सरकारें 60दिनों तक की अवधि की अग्रिम घोषणा करती हैं, जिनमें खेतों पर काम करने के लिए योजना के अंतर्गत काम रोक दिया जाता है। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से जल सुरक्षा, ग्रामीण व आजीविका संबंधी अवसंरचना(बुनियादी ढांचे(और आपदा शमन से जुड़े कार्य किए जाते हैं।

पारदर्शिता और डिजिटल तकनीक के तहत ग्राम पंचायतें ही योजनाओं की पहचान कर उन्हें लागू करेगी। इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित रिपोर्टिंग, रीयल-टाइम डैशबोर्ड(और सोशल ऑडिट के जरिए पारदर्शी बनाया गया है। यह योजना'विकसित भारत 2047'के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने का एक नया कानूनी ढांचा प्रदान किया है। विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 विकसित भारत 2047 के साथ संयोजित एक नई सांविधिक संरचना के साथ मनरेगा का स्थान लेता है। ग्रामीण परिवार की आय सुरक्षा सुदृढ़ होगी।

मनरेगा दो दशकों से भारत की सामाजिक सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की संरचना की आधारशिला रही है। 2005 में कार्यान्वित होने के बाद से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने रोजगार प्रदान करने, ग्रामीण आय को स्थिर करने और मूलभूत अवसंरचना निर्माण में अहम भूमिका निभाई है।

विशेष लेखःराजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़ःऑटो म्यूटेशन और'ऑटो डायवर्सन से जमीन संबंधी सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन(स्वतः नामांतरण(और ऑटो डायवर्सन (स्वतः व्यवर्तन(जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताडऩा से स्थायी मुक्ति मिली है।

पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वतः संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन(डायवर्सन (के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

आंकड़ों की जुबानीः सफलता की एक नई गाथा

राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1लाख 40हज़ार 607पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1लाख 40हज़ार 536मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है।

वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैं अतः इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है।

ऑटो म्यूटेशन ने बदली नामांतरण की तस्वीर

किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद भू-अभिलेखों में नाम दर्ज होना एक अनिवार्य प्रक्रिया है। पुराने दौर में पटवारियों और तहसील कार्यालयों के चक्कर काटना, दस्तावेजों की जांच में महीनों गंवाना और अनिश्चितता का सामना करना आम बात थी, जिसने भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा दिया।

आज छत्तीसगढ़ की तस्वीर बदल चुकी है। 1लाख 40हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से 1लाख 40हज़ार 536 मामलों का स्वतः नामांतरण होना यह दर्शाता है कि अब नागरिक को अपने हक के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ रहा है। इस व्यवस्था से समय और धन की भारी बचत हो रही है और रिकॉर्ड रीयल-टाइम अपडेट होने से जमीनी धोखाधड़ी पर लगाम लगी है।

इस सफलता को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा एक सख्त तकनीकी लॉक सिस्टम विकसित किया गया है। इसके तहत, यदि किसी संपत्ति का एक भी पुराना ऑटो म्यूटेशन लंबित है, तो संबंधित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में उस संपत्ति की अगली रजिस्ट्री तब तक नहीं हो पाएगी जब तक पिछला म्यूटेशन क्लियर न हो जाए। यह कदम निचले स्तर के प्रशासनिक अमले को जवाबदेह बनाता है।

ऑटो डायवर्सन से भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया हुई तेज

कृषि भूमि को आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक उपयोग में बदलना(डायवर्सन(शहरीकरण, निवेश और रोजगार सृजन की रीढ़ है। पहले आवेदकों को शुल्क, आवश्यक दस्तावेजों और समय सीमा की स्पष्ट जानकारी नहीं होती थी।

फरवरी से जून 2026के बीच 5हजार 661आवेदनों में से 4हजार 739का त्वरित निस्तारण यह दिखाता है कि विभाग ने गाइडलाइन दरों के आधार पर प्रीमियम निर्धारण जैसी पेचीदा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित कर दिया है। वर्तमान में जो 922लंबित मामले हैं, उनके पीछे अपूर्ण दस्तावेज, चालान राशि में तकनीकी अंतर या नगर तथा ग्राम निवेश के मास्टर प्लान से भिन्न प्रयोजन होना जैसे व्यावहारिक कारण हैं। इन चुनौतियों को सार्वजनिक करना विभाग की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को दर्शाता है।

जिला-वार प्रदर्शन ने दिखाई नई प्रशासनिक संस्कृति

ऑटो डायवर्सन के क्रियान्वयन में जिलों के बीच एक स्वस्थ और परिणाम-उन्मुख प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो यह प्रमाणित करती है कि सुधार जमीनी स्तर पर लागू हो चुके हैं। कोरिया जिला कुल 59प्रकरणों में से सभी 59का शत-प्रतिशत निराकरण कर 100 प्रतिशत सफलता दर के साथ पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर रहा।कोरबा जिला 98.46 प्रतिशत की सफलता दर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी तरह मुंगेली जिला 94.16 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।बालोद जिला 93.72प्रतिशत निस्तारण दर के साथ शीर्ष जिलों में शामिल रहा।धमतरी जिला कुल 165 प्रकरणों में से 153 का वैधानिक निराकरण कर 92.73प्रतिशत सफलता दर के साथ राज्य में पाँचवाँ (शीर्ष-5 (स्थान प्राप्त किया। धमतरी का यह प्रदर्शन नियमित समीक्षा और जवाबदेह कार्यशैली का परिणाम है।

तकनीकी सुधार और नए डिजिटल मॉड्यूल्स

विभाग अपनी वर्तमान उपलब्धियों से आगे बढ़कर एक एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण में जुटा है। एनजीडीआरएस एपीआई इंटीग्रेशन इसके माध्यम से सरकारी गाइडलाइन दरें सीधे पोर्टल से प्राप्त हो रही हैं, जिससे प्रीमियम का निर्धारण मानवीय हस्तक्षेप के बिना पूरी तरह स्वचालित और पारदर्शी हो गया है।

डायवर्टेड टू डायवर्टेड मॉड्यूलः

यदि पहले से डायवर्टेड भूमि का आंतरिक उपयोग बदलना हो(जैसे आवासीय से वाणिज्यिक※(तो इस मॉड्यूल के तहत निस्तारण के लिए 15दिवस की समय सीमा तय की गई है।

मल्टीपल खसरा मॉड्यूल

एक से अधिक खसरों वाली भूमि के लिए अब एक ही आवेदन में अनेक खसरों का चयन, स्वतः शुल्क गणना और ई-चालान की सुविधा मिलेगी। इसके लिए समय सीमा जुलाई 2026रखा गया है।

रिकवरी मॉड्यूल

पुराने लंबित मामलों के निपटारे के लिए पूर्व भुगतानों की प्रविष्टि, शेष प्रीमियम की गणना, भू-राजस्व/उपकर की मांग और एक उच्च स्तरीय रिकवरी डैशबोर्ड की व्यवस्था की जाएगी।इसके लिए समय सीमा अगस्त 2026निर्धारित किया गया है।

ऑटो डायवर्सन के क्रियान्वयन में जिलों के बीच एक स्वस्थ और परिणाम-उन्मुख प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो यह प्रमाणित करती है कि सुधार जमीनी स्तर पर लागू हो चुके हैं। कोरिया जिला कुल 59 प्रकरणों में से सभी 59 का शत-प्रतिशत निराकरण कर 100प्रतिशत सफलता दर के साथ पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर रहा।कोरबा जिला 98.46प्रतिशत की सफलता दर के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इसी तरह मुंगेली जिला 94.16 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सुशासन का नया मॉडल बनता छत्तीसगढ़

यह ऐतिहासिक बदलाव सिर्फ तकनीकी आंकड़ों का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पौने तीन करोड़ नागरिकों के जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने का माध्यम है। किसान, गृहस्वामी, व्यापारी और औद्योगिक निवेशक सभी को अब घर बैठे अपने मोबाइल पर पारदर्शी सेवाएँ मिल रही हैं।

दिसंबर 2026तक के लिए तय किए गए रोडमैप के अनुसार, राज्य के सभी क्षेत्रों की सैटेलाइट/ड्रोन मैपिंग, टीएनसीपी से एनओसी लिंकिंग और मुख्य भू-अभिलेख पोर्टल का वृहद् अपग्रेडेशन किया जाना है। ये कदम छत्तीसगढ़ को डिजिटल राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय बेंचमार्क के रूप में स्थापित करने के लिए पूरी तरह तैयार कर रहे हैं। तकनीक, संवेदनशीलता और जवाबदेही के इस बेजोड़ संगम से छत्तीसगढ़ ने जन-केंद्रित शासन की एक नई मिसाल पेश की है।

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिंटिंग प्रेस 17, जी फ्लोर, नियर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-131029 से प्रकाशित किया। संपादकः राजेश त्यागी 9250993497

लाकअप 2 में हो रहा है पक्षपात आरोपों पर तिलमिलाई फराह खान, एंगरी पोस्ट पर दिया रिएक्शन जजमेंट डे के बाद कहना

नेटफ्लिक्स के शो'लॉकअप 2घर के अंदर चल रहे विवादों को लेकर लगातार चर्चा में है। जब से शो में शिल्पा शिंदे की एंट्री हुई है, घर में आए दिन घमासान मचा रहता है। खासतौर पर शिल्पा शिंदे, लगातार शिवांगी जोशी के पीछे पड़ी हुई हैं। हाल ही में, शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा के साथ बातचीत में शिवांगी जोशी पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसे लेकर वह ट्रोल्स से घिर गईं। ऐसे में कई दर्शकों को उम्मीद थी कि शिल्पा की इन टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख कुछ तो एक्शन लेंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा देखने को नहीं मिला, जिसके चलते कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि होस्ट ने इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की कई ने तो मेकर्स पर पक्षपात के आरोप भी लगाना शुरू कर दिया, जिस पर अब शो की होस्ट फराह खान ने भी प्रतिक्रिया दी है।शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा के बीच शिवांगी जोशी को लेकर हुई बातचीत को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी बवाल देखने को मिल रहा है। हाल ही में एक यूजर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में यूजर ने शो की निर्माता एकता कपूर, होस्ट फराह खान, रितेश देशमुख और नेटफ्लिक्स को टैग करते हुए सवाल किया कि शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा को शिवांगी जोशी के बारे में की गई 'घिनौनी टिप्पणियों के लिए क्यों नहीं टोका गया जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए फराह खान ने यूजर से जजमेंट डे का एपिसोड देखने की बात कही है।इंस्टाग्राम पर एक दर्शक ने लॉकअप 2के हालिया एपिसोड में शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा के बीच हुई बातचीत को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा-एकता, फराह, रितेश और नेटफ्लिक्स, क्या आप लोगों के 84कैमरे अब काम नहीं कर रहे हैं कि आप श्रेया और शिल्पा द्वारा शिवांगी पर की गई घिनौनी और घटिया टिप्पणियों को नहीं देख पा रहे हैं वे एक इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर एक लड़की के चरित्र के बारे में लगातार घटिया बातें कर रही हैं, और आप लोग उन्हें इसके लिए टोक भी नहीं रहे हैं ! अगर आकांक्षा की गलती को इतना बड़ा मुद्दा बनाया गया और हर बात पर सवाल उठाए गए, तो आप लोग उनकी गलतियों को क्यों नज़रअंदाज कर रहे हैं, जबकि उनकी गलतियां तो कहीं ज़्यादा गंभीर हैं !यह भेदभाव क्यों

भेदभाव के आरोपों पर क्या बोलीं फराह खान

इस एंग्री पोस्ट को देखने के बाद फराह खान से भी रहा नहीं गया और उन्होंने यूजर से जजमेंट डे का एपिसोड देखने की अपील करते हुए लिखा-प्लीज 'जजमेंट डे देखें, फिर गुस्से भरे मैसेज लिखें। इस पोस्ट पर अन्य सोशल मीडिया यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं। वहीं शिल्पा और श्रेया की बातचीत के वीडियो पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कई ने इसे घिनौना बताया तो कई ने दोनों को शो से बाहर करने की अपील की। वहीं'लॉकअप 2में नजर आ रहे धीरज धूपर की पत्नी विन्नी अरोड़ा ने इस बातचीत को लेकर नाराजगी जाहिर की थी और 'औरत ही औरत की दुश्मन होती है वाली कहावत का भी जिक्र किया।

लॉक अप 2में शिल्पा शिंदे ने शिवंगी जोशी के बारे में क्या कहा

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि श्रेया कालरा से बातचीत के दौरान शिल्पा शिंदे ने शिवांगी जोशी के किरदार पर व्यक्तिगत टिप्पणी की थी। शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा से बातचीत के दौरान दावा किया कि शिवांगी के कई अफेयर थे और उन्होंने टेलीविज़न पर जिन भी को-स्टार्स के साथ काम किया, उन सभी के साथ डेट किया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गए।

तमन्ना भाटिया ने रागिनी 3 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, जानकर दिल खुश हो जाएगा

तमन्ना भाटिया अपने फैंस और दर्शकों को डराने की तैयारी शुरू कर चुकी हैं। जी हां, उनकी आगामी फिल्म रागिनी 3लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचती आ रही है, जिस पर उन्होंने एक बड़ा अपडेट साझा करके लोगों को उत्साहित कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शशांका घोष द्वारा निर्देशित यह परियोजना बालाजी मोशन पिक्चर्स की हॉरर फ्रैंचाइजी की वापसी का प्रतीक है।तमन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह क्लैपरबोर्ड पकड़े दिखी हैं।

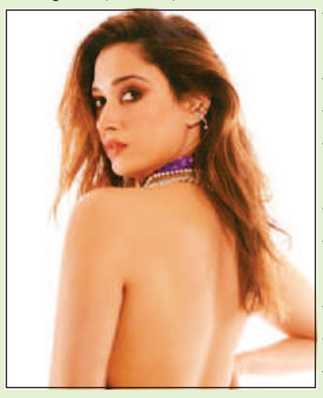

उस पर रागिनी 3लिखा है और शूटिंग के पहले दिन के शेड्यूल की जानकारी दी गई है। इससे साफ है कि अभिनेत्री ने 15जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डेट नाइट हॉरर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म 2027में रिलीज होने वाली है।

तमन्ना के अलावा, अन्य कलाकारों के नाम गुप्त रखे गए हैं।

लंदन में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल होगा। फिर आने वाले महीनों में अतिरिक्त शूटिंग की योजना बनाई गई है।

कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह अलौकिक हॉरर, सस्पेंस और व्यावसायिक कहानी कहने के उसी मिश्रण को बरकरार रखेगी, जिसने रागिनी फ्रैंचाइजी को एक सफल थिएटर ब्रांड के रूप में स्थापित किया था।

रागिनी 3के अलावा, तमन्ना को सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन में देखा जाएगा। ये 25सितंबर को रिलीज होगी।

बाक्स आफिस पर फेल, ओटीटी पर धूम मचा रही जुनैद खान की फिल्म, एक दिन जिसे IMDb पर मिली सिर्फ 6 रेटिंग

कई बार भारी बजट और बड़े स्टार्स की फिल्में वो धमाका नहीं कर पाती, जिसकी हमें उम्मीद होती है। आज हम उसी फिल्म की बात कर रहे हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, ओटीटी पर धूम मचा रही है। साई पल्लवी और जुनैद खान की रोमांटिक ड्रामा फिल्म अब ओटीटी पर देख सकते हैं। यह फिल्म मशहूर साउथ इंडियन एक्ट्रेस साई पल्लवी और बॉलीवुड एक्टर जुनैद खान की साथ में पहली ऑन-स्क्रीन रोमांटिक मूवी है। सिनेमाघरों में अगर 'एक दिन फिल्म नहीं देख पाए हैं तो आप के लिए खुशखबरी है। जी हां, इसे घर बैठे देख सकते हैं।

कहां देखें'एक दिन

फिल्म 'एक दिन अब अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है, जो रिलीज होते ही टॉप 10में अपनी जगह बनाने में सफल रही। सुनील पांडे की डायरेक्ट की गई यह फिल्म बैंजोंग पिसंथनाकुन की फिल्म'वन डे पर आधारित है। यह थाई रोमांटिक फिल्म अक्टूबर 2016 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सुनील पांडे की डायरेक्ट की गई 'एक दिन एक दिल को छू लेने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें प्यार, किस्मत और रिश्तों की इमोशनल उथल-पुथल को दिखाया गया है। इस फिल्म से साई पल्लवी ने बॉलीवुड डेब्यू किया है। ओटीटी से पहले जुनैद ने अपने पिता आमिर संग यूट्यूब पर इस फिल्म की रिलीज का नए अंदाज में ऐलान किया था।

एक दिन की कहानी क्या है

एक दिन एक आईटी कर्मचारी दिनेश(जुनैद खान) की कहानी है, जो अपनी सहकर्मी मीरा(साईं पल्लवी) से बहुत प्यार करता है, लेकिन उसे बताने का साहस नहीं कर पाता है। जापान में अपने करियर के दौरान दिनेश 'फॉर्च्यून बेल पर एक दिन के लिए उसका लवर बनने की इच्छा रखता है, जो पूरी हो जाती है। हालांकि, उसके लिए दोनों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस फिल्म को IMDb पर 6रेटिंग मिली है।

एक दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

एक दिन ने बॉक्स ऑफिस पर दुनिया भर में 5.50करोड़ की कमाई की, जिसमें भारत में 5.05 करोड़ ग्रॉस और विदेशों में 0.45 करोड़ की कमाई शामिल है। फिल्म ने भारत में 4.30करोड़ नेट कमाए और इसे 10,691 शो में दिखाया गया।

आस्कर विनिंग एक्ट्रेस ब्रेंडा फ्रिकर का निधन, 81साल की उम्र में ली आखिरी सांस, फैंस ने दी श्रद्धांजलि

होम अलोन 2और 'माई लेफ्ट फुट ऑस्कर विनिंग हॉलीवुड एक्ट्रेस ब्रेंडा फ्रिकर का 81साल की उम्र में निधन हो गया है। ब्रेंडा फिकर ने एक्टिंग के लिए एकेडमी अवॉर्ड जीतने वाली पहली आयरिश महिला थीं। ब्रेंडा को 1990में'माई लेफ्ट फुट में डैनियल डे-लुईस की ऑन-स्क्रीन मां का रोल निभाने के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का ऑस्कर मिला था। उन्होंने 1992की चर्चित फिल्म'होम अलोन 2ः लॉस्ट इन न्यूयॉर्क में मशहूर'पिजन लेडी के किरदार के लिए भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म में मैकॉले कल्किन, जो पेस्की और डैनियल स्टर्न जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे।

ब्रेंडा फ्रिकर का 81साल की उम्र में निधन

ब्रेंडा फ्रिकर के निधन की खबर से प्रशंसक और फिल्म जगत शोक में है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंडा फ्रिकर के एजेंट फिल बेलफील्ड ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा,हम अब उनके जैसी शख्सियत फिर कभी नहीं देख पाएंगे। उनके निधन से दुनिया एक बेहतरीन इंसान से मरहूम हो गई है। उन्हें जानना, प्यार करना और उनके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा से सम्मान की बात रही है और वो हमेशा मेरे दिल में और पूरी दुनियाभर के कई फैंस के दिल में बसी रहेंगी। वहीं अभिनेत्री के कई फैंस ने भी सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

आयरलैंड में अमेरिकी राजदूत एड वॉल्श ने भी दी श्रद्धांजलि

आयरलैंड में अमेरिकी राजदूत एड वॉल्श ने भी X पर ब्रेंडा फ्रिकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा,ब्रेंडा फ्रिकर के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। वे आयरिश फ़िल्म जगत की एक दिग्गज हस्ती थीं और 'माई लेफ्ट फुट में अपनी यादगार भूमिका के लिए अकादमी पुरस्कार जीतने वाली पहली आयरिश अभिनेत्री थीं। डबलिन से लेकर हॉलीवुड तक, उनके काम ने आयरलैंड की कहानियों को दुनिया के सामने रखा और अटलांटिक के दोनों ओर की पीढ़ियों को प्रेरित किया। वे एक शानदार विरासत छोड़ गई हैं। मैं उनके

परिवार , दोस्तों और उन्हें चाहने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

ब्रेंडा फ्रिकर ने 1964में फिल्म'ऑफ ह्यूमन बॉन्डेज से फिल्मी दुनिया में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने बहुत छोटी सी भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने 1964में आयरलैंड के पहले डेली सोप'तोलकारो में काम किया और इस दौरान थिएटर में भी एक्टिव रहीं। 1977 में आई'कोरोनेशन स्ट्रीट ने उन्हें दुनियाभर में पहचान दिलाई। इसके अलावा वह BBC के लंबे समय से चल रहे मेडिकल ड्रामा'कैजुअल्टी से भी एक जाना-माना चेहरा बन गईं। वह 1986से 1990तक इस सीरीज से जुड़ी रहीं।

ब्रेंडा फ्रिकर ने अपने सालों के करियर में कई मशहूर शो और फिल्मों में काम किया। उनके सबसे मशहूर प्रोजेक्ट्स की बात करें तो'माई लेफ्ट फ़ुट अल्बर्ट नोब्स,अ टाइम टू किल,सीकर्स सो आई मैरिड एन एक्स मर्डरर होम अलोन 2ःलॉस्ट इन न्यूयॉर्क और 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी शामिल हैं।

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भीःशहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा , जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज् आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।

फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है , जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।

बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं।

13साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की

दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं। सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वीडियो की शुरुआत में वामिका , माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने धक-धक के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं।

वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं।

वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13साल की उम्र वाली वामिका के लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात द माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं।

अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म जब वी मेट से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई।

जैकलीन फर्नांडिस के नए गाने पर बवाल,जुगनी में हुआ वार्ड रोब मालफंक्शन, फिर भी नहीं हटाया सीन, बढ़ विवाद

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस अब अपने नए गाने 'जुगनी को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में रिलीज हुआ है। 15जुलाई को रिलीज हुए इस गाने को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। ये गाना बी प्राक और सोनू ठुकराल ने गाया है और जैकलीन फर्नांडिस पर फिल्माया गया है। जैसे ही ये गाना रिलीज हुआ, लोग गाने पर टूट पड़े, लेकिन इसमें एक हिस्सा ऐसा था, जिसे लेकर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, इस म्यूजिक वीडियो में जैकलीन के साथ वार्डरोब मालफंक्शन हो गया है, जिसे लेकर अब सोशल मीडिया यूजर मेकर्स को लताड़ लगा रहे हैं।

जैकलीन के गाने पर क्यों मचा है बवाल

बी प्राक और सोनू ठुकराल के नए गाने'जुगनी में एक क्लोजअप शॉट है, जिसमें जैकलीन रिवीलिंग ब्लाउज पहने नजर आ रही हैं और डांस कर रही हैं। लेकिन, ब्लाउज लूज होने के चलते जैकलीन वार्डरोब मालफंक्शन की चपेट में आ गईं। जैसे ही ऑडियंस की नजर में ये वार्डरोब मालफंक्शन आया, उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर मेकर्स को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। किसी ने इसे शर्मनाक बताया तो कई का कहना था कि मेकर्स ने जानबूझकर ये रिवीलिंग पार्ट रखा था। विवाद के बीच मेकर्स ने वीडियो को हटाने या जैकलीन के इस सीन को हटाने की जगह बस वीडियो में उस हिस्से को ब्लर कर दिया, जहां जैकलीन वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार हुई थीं, जिसने लोगों का गुस्सा और भड़का दिया।

वीडियो पर यूजर्स के रिएक्शन

यूट्यूब से लेकर x तक पर यूजर'जुगनी के वार्डरोब मालफंक्शन वाले हिस्से को लेकर सवाल उठा रहे हैं। एक ने पूछा -वीडियो एडिटिंग के दौरान एडिटर को ये गलती कैसे नहीं दिखी ҲҲएक ने लिखा -ये कैसे हो सकता है, गाने को अपलोड करने से पहले क्या किसी की नजर इस पर नहीं गई। वहीं एक ने लिखा -मेकर्स ने जानबूझकर बिना एडिट किए गाना अपलोड किया है, ताकि पब्लिसिटी मिल सके। वहीं एक लिखता है-पता चलने के बाद भी गाने के उस हिस्से को कट करने की जगह सिर्फ रिवीलिंग पार्ट को ब्लर कर दिया, शर्मनाक हैҲ!हालांकि , मेकर्स की ओर से इस पूरे विवाद पर अब तक कोई रिएक्शन नहीं आया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस के चलते भी चर्चा में हैं जैकलीन फर्नांडिस

अपने फिल्मी करियर से इतर जैकलीन फर्नांडिस लगातार 200करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ हफ्ते पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडिस की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने कथित बॉयफ्रेंड और ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट के आरोप तय करने के आदेश को चुनौती दी थी।

लाकअप 2 में हो रहा है पक्षपात आरोपों पर तिलमिलाईं फराह खान, एंगरी पोस्ट पर दिया रिएक्शन जजमेंट डे के बाद कहना

नेटफ्लिक्स के शो'लॉकअप 2घर के अंदर चल रहे विवादों को लेकर लगातार चर्चा में है। जब से शो में शिल्पा शिंदे की एंट्री हुई है, घर में आए दिन घमासान मचा रहता है। खासतौर पर शिल्पा शिंदे, लगातार शिवांगी जोशी के पीछे पड़ी हुई हैं। हाल ही में, शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा के साथ बातचीत में शिवांगी जोशी पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसे लेकर वह ट्रोल्स से घिर गईं। ऐसे में कई दर्शकों को उम्मीद थी कि शिल्पा की इन टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख कुछ तो एक्शन लेंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा देखने को नहीं मिला, जिसके चलते कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि होस्ट ने इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की कई ने तो मेकर्स पर पक्षपात के आरोप भी लगाना शुरू कर दिया, जिस पर अब शो की होस्ट फराह खान ने भी प्रतिक्रिया दी है।शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा के बीच शिवांगी जोशी को लेकर हुई बातचीत को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी बवाल देखने को मिल रहा है। हाल ही में एक यूजर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में यूजर ने शो की निर्माता एकता कपूर, होस्ट फराह खान, रितेश देशमुख और नेटफ्लिक्स को टैग करते हुए सवाल किया कि शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा को शिवांगी जोशी के बारे में की

गई 'घिनौनी टिप्पणियों के लिए क्यों नहीं टोका गया जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए फराह खान ने यूजर से जजमेंट डे का एपिसोड देखने की बात कही है।इंस्टाग्राम पर एक दर्शक ने लॉकअप 2के हालिया एपिसोड में शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा के बीच हुई बातचीत को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए लिखा-एकता, फराह, रितेश और नेटफ्लिक्स, क्या आप लोगों के 84कैमरे अब काम नहीं कर रहे हैं कि आप श्रेया और शिल्पा द्वारा शिवांगी पर की गई घिनौनी और घटिया टिप्पणियों को नहीं देख पा रहे हैं वे एक इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर एक लड़की के चरित्र के बारे में लगातार घटिया बातें कर रही हैं, और आप लोग उन्हें इसके लिए टोक भी नहीं रहे हैं! अगर आकांक्षा की गलती को इतना बड़ा मुद्दा बनाया गया और हर बात पर सवाल उठाए गए, तो आप लोग उनकी गलतियों को क्यों नज़रअंदाज कर रहे हैं, जबकि उनकी गलतियां तो कहीं ज़्यादा गंभीर हैं !यह भेदभाव क्यों

भेदभाव के आरोपों पर क्या बोलीं फराह खान

इस एंग्री पोस्ट को देखने के बाद फराह खान से भी रहा नहीं गया और उन्होंने यूजर से जजमेंट डे का एपिसोड देखने की अपील करते हुए लिखा-प्लीज 'जजमेंट डे देखें, फिर गुस्से भरे मैसेज लिखें। इस पोस्ट पर अन्य सोशल मीडिया यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं। वहीं शिल्पा और श्रेया की बातचीत के वीडियो पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कई ने इसे घिनौना बताया तो कई ने दोनों को शो से बाहर करने की अपील की। वहीं'लॉकअप 2में नजर आ रहे धीरज धूपर की पत्नी विन्नी अरोड़ा ने इस बातचीत को लेकर नाराजगी जाहिर की थी और 'औरत ही औरत की दुश्मन होती है वाली कहावत का भी जिक्र किया।

लॉक अप 2में शिल्पा शिंदे ने शिवंगी जोशी के बारे में क्या कहा

जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि श्रेया कालरा से बातचीत के दौरान शिल्पा शिंदे ने शिवांगी जोशी के किरदार पर व्यक्तिगत टिप्पणी की थी। शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा से बातचीत के दौरान दावा किया कि शिवांगी के कई अफेयर थे और उन्होंने टेलीविज़न पर जिन भी को-स्टार्स के साथ काम किया, उन सभी के साथ डेट किया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गए।

तमन्ना भाटिया ने रागिनी 3 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, जानकर दिल खुश हो जाएगा

तमन्ना भाटिया अपने फैंस और दर्शकों को डराने की तैयारी शुरू कर चुकी हैं। जी हां, उनकी आगामी फिल्म रागिनी 3लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचती आ रही है, जिस पर उन्होंने एक बड़ा अपडेट साझा करके लोगों को उत्साहित कर दिया है। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर बताया है कि उन्होंने लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शशांका घोष द्वारा निर्देशित यह परियोजना बालाजी मोशन पिक्चर्स की हॉरर फ्रैंचाइजी की वापसी का प्रतीक है।तमन्ना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह क्लैपरबोर्ड पकड़े दिखी हैं।

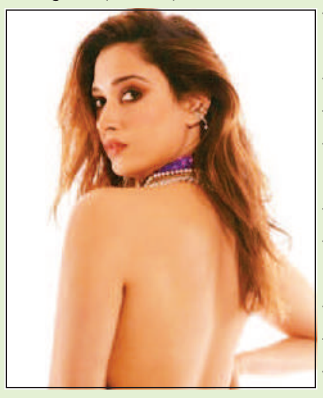

उस पर रागिनी 3लिखा है और शूटिंग के पहले दिन के शेड्यूल की जानकारी दी गई है। इससे साफ है कि अभिनेत्री ने 15जुलाई से फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डेट नाइट हॉरर के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म 2027में रिलीज होने वाली है।

तमन्ना के अलावा, अन्य कलाकारों के नाम गुप्त रखे गए हैं।

लंदन में फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल होगा। फिर आने वाले महीनों में अतिरिक्त शूटिंग की योजना बनाई गई है।

कहानी अभी तक गुप्त रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि यह अलौकिक हॉरर, सस्पेंस और व्यावसायिक कहानी कहने के उसी मिश्रण को बरकरार रखेगी, जिसने रागिनी फ्रैंचाइजी को एक सफल थिएटर ब्रांड के रूप में स्थापित किया था।

रागिनी 3के अलावा, तमन्ना को सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म वन में देखा जाएगा। ये 25सितंबर को रिलीज होगी।

बाक्स आफिस पर फेल, ओटीटी पर धूम मचा रही जुनैद खान की फिल्म, एक दिन जिसे IMDb पर मिली सिर्फ 6 रेटिंग

कई बार भारी बजट और बड़े स्टार्स की फिल्में वो धमाका नहीं कर पाती, जिसकी हमें उम्मीद होती है। आज हम उसी फिल्म की बात कर रहे हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। हालांकि, ओटीटी पर धूम मचा रही है। साई पल्लवी और जुनैद खान की रोमांटिक ड्रामा फिल्म अब ओटीटी पर देख सकते हैं। यह फिल्म मशहूर साउथ इंडियन एक्ट्रेस साई पल्लवी और बॉलीवुड एक्टर जुनैद खान की साथ में पहली ऑन-स्क्रीन रोमांटिक मूवी है। सिनेमाघरों में अगर 'एक दिन फिल्म नहीं देख पाए हैं तो आप के लिए खुशखबरी है। जी हां, इसे घर बैठे देख सकते हैं।

कहां देखें'एक दिन

फिल्म 'एक दिन अब अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है, जो रिलीज होते ही टॉप 10में अपनी जगह बनाने में सफल रही। सुनील पांडे की डायरेक्ट की गई यह फिल्म बैंजोंग पिसंथनाकुन की फिल्म'वन डे पर आधारित है। यह थाई रोमांटिक फिल्म अक्टूबर 2016 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। सुनील पांडे की डायरेक्ट की गई 'एक दिन एक दिल को छू लेने वाली रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। इसमें प्यार, किस्मत और रिश्तों की इमोशनल उथल-पुथल को दिखाया गया है। इस फिल्म से साई पल्लवी ने बॉलीवुड डेब्यू किया है। ओटीटी से पहले जुनैद ने अपने पिता आमिर

संग यूट्यूब पर इस फिल्म की रिलीज का नए अंदाज में ऐलान किया था।

एक दिन की कहानी क्या है

एक दिन एक आईटी कर्मचारी दिनेश(जुनैद खान) की कहानी है, जो अपनी सहकर्मी मीरा(साईं पल्लवी) से बहुत प्यार करता है, लेकिन उसे बताने का साहस नहीं कर पाता है। जापान में अपने करियर के दौरान दिनेश 'फॉर्च्यून बेल पर एक दिन के लिए उसका लवर बनने की इच्छा रखता है, जो पूरी हो जाती है। हालांकि, उसके लिए दोनों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस फिल्म को IMDb पर 6रेटिंग मिली है।

एक दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

एक दिन ने बॉक्स ऑफिस पर दुनिया भर में 5.50करोड़ की कमाई की, जिसमें भारत में 5.05 करोड़ ग्रॉस और विदेशों में 0.45 करोड़ की कमाई शामिल है। फिल्म ने भारत में 4.30करोड़ नेट कमाए और इसे 10,691 शो में दिखाया गया।

आस्कर विनिंग एक्ट्रेस ब्रेंडा फ्रिकर का निधन, 81साल की उम्र में ली आखिरी सांस, फैंस ने दी श्रद्धांजलि

होम अलोन 2और 'माई लेफ्ट फुट ऑस्कर विनिंग हॉलीवुड एक्ट्रेस ब्रेंडा फ्रिकर का 81साल की उम्र में निधन हो गया है। ब्रेंडा फिकर ने एक्टिंग के लिए एकेडमी अवॉर्ड जीतने वाली पहली आयरिश महिला थीं। ब्रेंडा को 1990में'माई लेफ्ट फुट में डैनियल डे-लुईस की ऑन-स्क्रीन मां का रोल निभाने के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का ऑस्कर मिला था। उन्होंने 1992की चर्चित फिल्म'होम अलोन 2: लॉस्ट इन न्यूयॉर्क में मशहूर'पिजन लेडी के किरदार के लिए भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म में मैकॉले कल्किन, जो पेस्की और डैनियल स्टर्न जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे।

ब्रेंडा फ्रिकर का 81साल की उम्र में निधन

ब्रेंडा फ्रिकर के निधन की खबर से प्रशंसक और फिल्म जगत शोक में है। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंडा फ्रिकर के एजेंट फिल बेलफील्ड ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए कहा,हम अब उनके जैसी शख्सियत फिर कभी नहीं देख पाएंगे। उनके निधन से दुनिया एक बेहतरीन इंसान से मरहूम हो गई है। उन्हें जानना, प्यार करना और उनके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा से सम्मान की बात रही है और वो हमेशा मेरे दिल में और पूरी दुनियाभर के कई फैंस के दिल में बसी रहेंगी। वहीं अभिनेत्री के कई फैंस ने भी सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

आयरलैंड में अमेरिकी राजदूत एड वॉल्श ने भी दी श्रद्धांजलि

आयरलैंड में अमेरिकी राजदूत एड वॉल्श ने भी X पर ब्रेंडा फ्रिकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा,ब्रेंडा फ्रिकर के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। वे आयरिश फ़िल्म जगत की एक दिग्गज हस्ती थीं और 'माई लेफ्ट फुट में अपनी यादगार भूमिका के लिए अकादमी पुरस्कार जीतने वाली पहली आयरिश अभिनेत्री थीं। डबलिन से लेकर हॉलीवुड तक, उनके काम ने आयरलैंड की कहानियों को दुनिया के सामने रखा और अटलांटिक के दोनों ओर की पीढ़ियों को प्रेरित किया। वे एक शानदार विरासत छोड़ गई हैं। मैं उनके

परिवार , दोस्तों और उन्हें चाहने वाले सभी लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

ब्रेंडा फ्रिकर ने 1964में फिल्म'ऑफ ह्यूमन बॉन्डेज से फिल्मी दुनिया में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने बहुत छोटी सी भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्होंने 1964में आयरलैंड के पहले डेली सोप'तोलकारो में काम किया और इस दौरान थिएटर में भी एक्टिव रहीं। 1977 में आई'कोरोनेशन स्ट्रीट ने उन्हें दुनियाभर में पहचान दिलाई। इसके अलावा वह BBC के लंबे समय से चल रहे मेडिकल ड्रामा'कैजुअल्टी से भी एक जाना-माना चेहरा बन गईं। वह 1986से 1990तक इस सीरीज से जुड़ी रहीं।

ब्रेंडा फ्रिकर ने अपने सालों के करियर में कई मशहूर शो और फिल्मों में काम किया। उनके सबसे मशहूर प्रोजेक्ट्स की बात करें तो'माई लेफ्ट फ़ुट अल्बर्ट नोब्स,अ टाइम टू किल,सीकर्स सो आई मैरिड एन एक्स मर्डरर होम अलोन 2:लॉस्ट इन न्यूयॉर्क और 'स्टोन ऑफ डेस्टिनी शामिल हैं।

दूरी से बढ़ती है प्यार की अहमियत, लेकिन साथ ही बढ़ सकता है शक भी:शहनाज गिल

अपनी मासूमियत और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों अपनी आने वाली पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शहनाज ने प्यार और रिश्तों को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने कहा कि जब दो लोगों के बीच दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत बढ़ जाती है और सामने वाले की मौजूदगी ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ सवाल और शक भी पैदा हो सकते हैं। उन्होंने कहा , जब दूरी होती है, तो प्यार की वैल्यू बढ़ जाती है। दूरी दिलों को और करीब ला देती है। इंसान को सामने वाले की अहमियत ज्यादा महसूस होने लगती है, लेकिन हांज् आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा इंसान आपके पीछे क्या कर रहा है। इसलिए शक भी बढ़ सकता है। शहनाज ने आगे कहा, रिश्तों में प्यार और भरोसा सबसे ज्यादा जरूरी होता है। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई को समझने का मौका देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की परीक्षा भी बन सकती है।

फिल्म इश्कनामा एक सच्ची कहानी पर आधारित है , जो असल जिंदगी के प्रेमी जोड़े निम्मा और नसीमा की कहानी को दिखाती है। फिल्म की कहानी साल 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक पीरियड रोमांटिक ड्रामा फिल्म है।

शहनाज ने कहा कि प्यार का तरीका समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी भावना हमेशा वही रहती है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी तरह हो, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जिंदगी भर साथ रहता है। प्यार आज का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर या तरीके से नहीं बांधा जा सकता।

बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने किया है। यह फिल्म किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित कहानी पर आधारित है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार बी प्राक ने तैयार किया है, जबकि इसके गीतों के बोल जानी ने लिखे हैं।

13साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की

दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं। सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वीडियो की शुरुआत में वामिका , माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने धक-धक के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं।

वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं।

वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13साल की उम्र वाली वामिका के लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात द माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं।

अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म जब वी मेट से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई।

जैकलीन फर्नांडिस के नए गाने पर बवाल,जुगनी में हुआ वार्ड रोब मालफंक्शन, फिर भी नहीं हटाया सीन, बढ़ विवाद

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस अब अपने नए गाने 'जुगनी को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में रिलीज हुआ है। 15 जुलाई को रिलीज हुए इस गाने को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। ये गाना बी प्राक और सोनू ठुकराल ने गाया है और जैकलीन फर्नांडिस पर फिल्माया गया है। जैसे ही ये गाना रिलीज हुआ, लोग गाने पर टूट पड़े, लेकिन इसमें एक हिस्सा ऐसा था, जिसे लेकर बवाल खड़ा हो गया। दरअसल, इस म्यूजिक वीडियो में जैकलीन के साथ वार्डरोब मालफंक्शन हो गया है, जिसे लेकर अब सोशल मीडिया यूजर मेकर्स को लताड़ लगा रहे हैं।

जैकलीन के गाने पर क्यों मचा है बवाल

बी प्राक और सोनू ठुकराल के नए गाने'जुगनी में एक क्लोजअप शॉट है, जिसमें जैकलीन रिवीलिंग ब्लाउज पहने नजर आ रही हैं और डांस कर रही हैं। लेकिन, ब्लाउज लूज होने के चलते जैकलीन वार्डरोब मालफंक्शन की चपेट में आ गईं। जैसे ही ऑडियंस की नजर में ये वार्डरोब मालफंक्शन आया, उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे लेकर मेकर्स को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। किसी ने इसे शर्मनाक बताया तो कई का कहना था कि मेकर्स ने जानबूझकर ये रिवीलिंग पार्ट रखा था। विवाद के बीच मेकर्स ने वीडियो को हटाने या जैकलीन के इस सीन को हटाने की जगह बस वीडियो में उस हिस्से को ब्लर कर दिया, जहां जैकलीन वार्डरोब मालफंक्शन का शिकार हुई थीं, जिसने लोगों का गुस्सा और भड़का दिया।

वीडियो पर यूजर्स के रिएक्शन

यूट्यूब से लेकर x तक पर यूजर'जुगनी के वार्डरोब मालफंक्शन वाले हिस्से को लेकर सवाल उठा रहे हैं। एक ने पूछा -वीडियो एडिटिंग के दौरान एडिटर को ये गलती कैसे नहीं दिखी ※※एक ने लिखा -ये कैसे हो सकता है, गाने को अपलोड करने से पहले क्या किसी की नजर इस पर नहीं गई। वहीं एक ने लिखा -मेकर्स ने जानबूझकर बिना एडिट किए गाना अपलोड किया है, ताकि पब्लिसिटी मिल सके। वहीं एक लिखता है-पता चलने के बाद भी गाने के उस हिस्से को कट करने की जगह सिर्फ रिवीलिंग पार्ट को ब्लर कर दिया, शर्मनाक है※!हालांकि , मेकर्स की ओर से इस पूरे विवाद पर अब तक कोई रिएक्शन नहीं आया है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस के चलते भी चर्चा में हैं जैकलीन फर्नांडिस

अपने फिल्मी करियर से इतर जैकलीन फर्नांडिस लगातार 200करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस को लेकर भी चर्चा में हैं। कुछ हफ्ते पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडिस की उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उन्होंने कथित बॉयफ्रेंड और ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की ट्रायल कोर्ट के आरोप तय करने के आदेश को चुनौती दी थी।

रोहित शर्मा खेलना चाहते हैं वनडे क्रिकेट, बीसीसीआई ने हिटमैन के पाले में डाली बाल

नई दिल्ली (एजंसी)

रोहित शर्मा को लेकर इस वक्त जबरदस्त बज बना हुआ है। खबरें इस तरह की आ रही हैं कि लॉर्ड्स में होने वाला भारत बनाम इंग्लैंड तीसरा मैच हिटमैन का आखिरी वनडे होगा। हालांकि अभी तक ना तो बीसीसीआई ने इस तरह का कोई संकेत दिया है और ना ही खुद रोहित ने कुछ कहा है। इस बीच खबर है कि रोहित अभी और खेलना चाहते हैं, लेकिन बीसीसीआई ने अपनी बात उन तक पहुंचा दी है और हिटमैन को ही फैसला लेना है।

रोहित शर्मा खेलना चाहते हैं वनडे क्रिकेट, सिलेक्टर्स की सोच कुछ अलग

भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। लॉर्ड्स को क्रिकेट का मक्का भी कहा जाता है। जब भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार को दूसरा वनडे चल रहा था, तभी अचानक ये खबर आई कि रोहित का क्रिकेट करियर अब खत्म होने वाला है। हम यहां इंटरनेशनल क्रिकेट की बात कर रहे हैं। अब इस खबर को लेकर जो नया अपडेट सामने आया है, उसमें कहा जा रहा है कि रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट अभी कुछ और वक्त तक खेलना चाहते हैं, लेकिन सिलेक्टर्स ने रोहित को बता दिया है कि इंग्लैंड टूर के बाद वे टीम इंडिया की आगे की प्लानिंग में शामिल नहीं हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस सीरीज के बाद सिलेक्टर आगे की सोचना चाहते हैं। रोहित शर्मा ने पिछले दिनों अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया है, लेकिन उनके बल्ले से रन नहीं बन रहे हैं, ये बड़ी टेंशन की बात है। अब सिलेक्टर्स ने गेंद रोहित पाले में डाल दी है कि वे क्या फैसला करते हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भी कप्तानी से हटा दिए गए थे रोहित

रोहित शर्मा की कप्तानी में ही टीम इंडिया साल 2025 का आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था, लेकिन इसके बाद जब अगली सीरीज हुई तो उन्हें कप्तानी से हटाकर शुभमन गिल को ये जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। तभी से इस बात की आशंका जताई जा रही थी कि अब रोहित के लिए अगला वनडे विश्व कप खेल पाना आसान नहीं होगा, जबकि रोहित पहले ही इस बात की मंशा जता चुके हैं कि वे वनडे विश्व कप ना केवल खेलना चाहते हैं, बल्कि उसे जीतना भी चाहते हैं। शायद उनके लिए विश्व कप की ट्रॉफी काफी मायने रखती है।

अब लॉर्ड्स की पारी रोहित के लिए होगी काफी अहम

आईसीसी का अगला विश्व कप अगले साल खेला जाएगा। जिसका अभी शेड्यूल तो नहीं आया है, लेकिन उम्मीद है कि ये अक्टूबर से लेकर नवंबर तक खेला जाएगा। इसका मतलब ये है कि इसमें अभी करीब डेढ़ साल का वक्त है। तब तक रोहित की उम्र भी काफी हो जाएगी। हालांकि ऐसा लगता है कि रोहित ने अभी हार नहीं मानी है। लेकिन अगर रन नहीं बनेंगे तो फिर रोहित किस आधार पर टीम में बने रहेंगे, ये भी बड़ा सवाल है। कुल मिलाकर अब रोहित शर्मा और भी वनडे खेलना चाहते हैं कि उनके लिए लॉर्ड्स में होने वाला मैच काफी अहम होगा। उस मैच में वे कैसी बल्लेबाजी करते हैं, उनका भविष्य काफी हद तक उस परनिर्भर करेगा।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी 2 वनडे के लिए स्क्वाड में किया बदलाव

वेलिंगटन (एजंसी)

वेस्टइंडीज की टीम अभी अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज खेल रही है, जिसमें उन्होंने शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए पहले स्क्वाड का ऐलान किया था। अब इस सीरीज में 2-1से पिछड़ने के बाद मेजबान वेस्टइंडीज ने आखिरी

दो वनडे मैचों के लिए अपने स्क्वाड में बदलाव किया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी के दो मुकाबलों के लिए ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स और टॉप ऑर्डर बल्लेबाज ब्रैंडन किंग को शामिल किया है। दोनों को रोस्टन चेज और जॉन कैंपबेल के चोटिल होकर बाहर होने की वजह से स्क्वाड में जगह मिली है।न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आगाज होने से पहले वेस्टइंडीज की टीम ने जुलाई महीने की शुरुआत में घर पर श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला था, जिसमें उनके अहम खिलाड़ी रोस्टन चेज अपने दाहिने हाथ की उंगली को चोटिल कर बैठे थे, जिसके चलते वह अभी तक पूरी तरह से रिकवर नहीं कर सके हैं। वहीं जॉन कैंपबेल को लेकर बात की जाए तो न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में बल्लेबाजी के दौरान उनके बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, जिसके बाद अभी स्कैन होना है ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक मैदान से बाहर रहेंगे।

6 बाल पर 6 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर सर गैरफील्ड सोबर्स का निधन, 89की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन (एजंसी)

क्रिकेट की दुनिया के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स का 89वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें क्रिकेट के इतिहास का सबसे शानदार ऑलराउंडर माना जाता है। उन्होंने साल 1954से 1974 के बीच वेस्टइंडीज टीम के लिए बेहतरीन क्रिकेट खेला और अपने दम पर टीम को कई मैचों में शानदार जीत दिलाई।

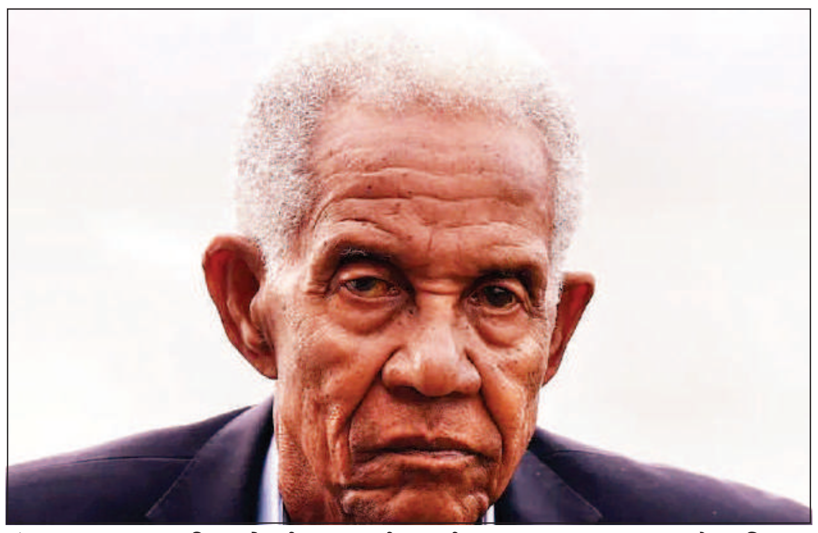

टेस्ट क्रिकेट में गैरी सोबर्स का प्रदर्शन रहा था शानदार

उन्होंने अपने करियर में वेस्टइंडीज के लिए 93टेस्ट मैच खेले और 8032रन बनाए। इस दौरान उनका बैटिंग औसत 57.78का रहा। इस दौरान उन्होंने 26 शतक और 30 अर्धशतक लगाए। साल 1958में पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने नाबाद 365रन बनाए थे, जो उस समय एक बड़ा रिकॉर्ड था। बाद में साल 1994 में उन्हीं के देश के खिलाड़ी ब्रायन लारा ने 375रन बनाकर इस रिकॉर्ड को तोड़ा। बल्लेबाजी के साथ-साथ उन्होंने गेंदबाजी में भी कमाल किया और टेस्ट करियर में कुल 235विकेट अपने नाम किए थे। वह अपने करियर में सिर्फ एक वनडे मैच खेलने में कामयाब रहे थे।

1954 में गैरी सोबर्स ने किया था इंटरनेशनल डेब्यू

28 जुलाई 1936 को बारबडोस के सेंट माइकल में जन्मे गैरी सोबर्स ने 1952 में पहली बार फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसके बाद 1954 में उन्होंने अपना पहला इंटरनेशनल टेस्ट मैच खेला था। अगले 20 सालों तक सोबर्स ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी से टेस्ट क्रिकेट की दुनिया पर राज किया। वे बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। गेंदबाजी में वे न सिर्फ मीडियम पेस से गेंदबाजी करते थे, बल्कि जरूरत पड़ने पर स्पिन बॉलिंग भी करते थे। इसके साथ ही वे एक बेहतरीन फील्डर भी थे। इन्हीं खूबियों की वजह से उन्हें क्रिकेट इतिहास का सबसे महान ऑलराउंडर माना जाता है। उन्होंने अपने 383फर्स्ट-क्लास मैचों में 28,000से ज्यादा रन बनाए और 1000से अधिक विकेट लिए। अपने करियर के आखिरी दिनों में उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया और नॉटिंघमशायर टीमों के लिए भी खेला।

सर सोबर्स ने 1965से 1972तक वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान के रूप में भी काम किया। इस दौरान उन्होंने 39 मैचों में कप्तानी की। यही नहीं, वे दुनिया के पहले ऐसे बल्लेबाज थे जिन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट मैच में एक ही ओवर में लगातार 6 छक्के मारने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया था।

स्टीव स्मिथ ने मेजर लीग क्रिकेट में लगाया शतक, उनकी टीम ने दर्ज की रिकार्ड जीत

मेलबोर्न (एजंसी)

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के प्रमुख बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने मेजर लीग क्रिकेट(एमएलसी) के एलिमिनेटर मैच में शतक लगाया। वाशिंगटन फ्रीडम का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद 110 रन बनाए। यह उनके टी-20क्रिकेट करियर का 7वां शतक साबित हुआ। उनकी पारी की मदद से वाशिंगटन फ्रीडम ने नॉकआउट मैच में एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराया। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

जीत के लिए मिले 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की और 19गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 40गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वह 48गेंदों में 7चौकों और 9छक्कों की मदद से नाबाद 110रन बनाए।

इस बीच उन्होंने एंड्रिस गौस के साथ मिलकर 241रन की साझेदारी की। गौस 51गेंदों में 10चौकों और 12छक्कों की मदद से 132रन बनाकर नाबाद रहे।

स्मिथ ने अपने टी-20 क्रिकेट करियर में सबसे तेज शतक (गेंदों के लिहाज से) लगाया।अपने करियर में उन्होंने 264पारियों में 33.03 की औसत और 132.66 की स्ट्राइक रेट से 6,970रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने 7शतक और 33अर्धशतक लगाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 125रन रहा है।

वह अपने टी-20क्रिकेट करियर में अब तक 600चौके और 219छक्के लगा चुके हैं।

ऑकलैंड में खेले गए मैच में एमआई न्यूयॉर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 266/9 का स्कोर बनाया।

निकोलस पूरन ने 33गेंदों में 106रन की पारी खेली। उनके अलावा कीरोन पोलार्ड और क्विंटन डिकॉक ने अर्धशतक लगाए। जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम ने 18.4ओवर में लक्ष्य हासिल किया।

यह टी-20क्रिकेट के इतिहास में किसी भी टीम द्वारा हासिल किया गया सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड बन गया है।

इससे पहले टी-20 क्रिकेट में सबसे सफल लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पीबीकेएस के नाम पर दर्ज है। आईपीएल 2026 में पीबीकेएस ने डीसी के खिलाफ जीत के लिए मिले 265रन के लक्ष्य को हासिल किया था। गौस ने अपने टी-20 क्रिकेट करियर का तीसरा शतक लगाया। वह 51गेंदों में 132 रन बनाकर आउट हुए।

इंग्लैंड के क्रिकेटर ने किया संन्यास का ऐलान, 6 साल पहले खेला था अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच

लंदन (एजंसी)

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और केंट क्लब के दिग्गज खिलाड़ी जो डेनली ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। 40 साल के हो चुके डेनली साल 2026के सीजन के खत्म होने के बाद क्रिकेट को हमेशा के लिए अलविदा कह देंगे। वह पिछले 20से ज्यादा सालों से इस खेल से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच सितंबर 2020में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। वह जो रूट और स्टोक्स की कप्तानी में खेल चुके हैं।

घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड और केंट के साथ गहरा नाता

जो डेनली ने साल 2004में पहली बार केंट टीम के लिए खेलना शुरू किया था। उन्होंने अपनी टीम को कई मैचों में जीत दिलाई। उनकी मदद से टीम ने 2007में अपनी पहली टी-20ट्रॉफी जीती और 2022में उन्होंने कप्तान बनकर टीम को'वन-डे कप की ट्रॉफी भी दिलाई। वह केंट टीम की तरफ से टी-20 मैचों में 5000रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। इसके अलावा, वह केंट के उन कुछ खास बल्लेबाजों में गिने जाते हैं जिन्होंने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी-20में सेंचुरी लगाई है।

जो डेनली का इंग्लैंड टीम के लिए खेलने का सफर काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा। उन्होंने साल 2009में पहला मैच खेला, लेकिन अगले ही साल (2010में(उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। इसके बाद उन्हें दोबारा मौका पाने के लिए पूरे 8 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा और 2018में उनकी टीम में वापसी हुई। उन्होंने इंग्लैंड के लिए कुल 15टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल समय में टीम के लिए कई जरूरी पारियां खेली, जिसमें 2019में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई यादगार पारियां भी शामिल हैं।

जो डेनली ने केंट क्लब की तरफ से एक बयान जारी करते हुए कहा कि प्रोफेशनल क्रिकेट के इस शानदार सफर के बाद, अब उनके विदा लेने का समय आ गया है। वह साल 2026का सीजन खत्म होने के बाद खेल से पूरी तरह संन्यास ले लेंगे। उन्होंने बताया कि क्रिकेट ने उन्हें उनकी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। केंट क्लब के लिए अपना पहला मैच खेलने से लेकर इंटरनेशनल लेवल पर इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने तक, उनके लिए हर एक पल बहुत गर्व की बात रही है।

पीवी सिंधु ने जापान ओपन के फाइनल में बनाई जगह, सेमीफाइनल में चीन की चेनयूफेई को दी मात

टोक्या (एजंसी)

भारतीय स्टार महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का जापान ओपन सुपर-750बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में चीन की खिलाड़ी चेन यूफेई के खिलाफ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला और वह फाइनल के लिए अपनी जगह को पक्का करने में कामयाब

हो गई हैं। पीवी सिंधु पहली बार अपने करियर में जापान ओपन के फाइनल में पहुंचने में सफल हो पाई हैं। चीन की खिलाड़ी के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला सिंधु के लिए आसान नहीं था क्योंकि इससे पहले पिछले 5मुकाबलों में उनको हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच के पहले सेट को सिंधु ने काफी करीबी अंतर से अपने नाम किया था तो वहीं दूसरे सेट में जब वह 15-10से आगे थी तो वहीं उसी दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण यूफेई को मैच के दूसरे गेम में हटना पड़ा। अब 19जुलाई को होने वाले फाइनल मैच में पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची और कुसुमा वर्दानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता खिलाड़ी से होगा।

जापान ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले में पीवी सिंधु का पहले सेट से दबदबा देखने को मिल रहा था, जिसमें उन्होंने एक समय 10-5के अंतर से बड़ी बढ़त बना रखी थी। इसके बाद यूफेई ने वापसी करते हुए पहले सेट को रोमांचक बना दिया। जिसमें दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को बिल्कुल प्वाइंट बनाने का कोई भी मौका नहीं दे रहे थे। एक समय में पहले सेट में मुकाबला 19-19से बराबरी पर आ गया था, जिसके बाद सिंधु ने अगले 2प्वाइंट हासिल करते हुए पहला सेट जीतते हुए मैच में 1-0की बढ़त हासिल कर ली।

फीफा विश्व कप 2026:अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को हराते हुए फाइनल में किया प्रवेश

वाशिंगटन (एजंसी)

फीफा विश्व कप 2026के दूसरे सेमीफाइनल मैच में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम ने इंग्लैंड फुटबॉल टीम को 2-1 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अटलांटा स्टेडियम में लगभग 68हजार दर्शकों की मौजूदगी में अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडीज और लाउटारो मार्टिनेज ने 1-1गोल किए। इंग्लैंड की ओर से एंथनी गॉर्डन ने इकलौता गोल किया। अब फाइनल मैच में अर्जेंटीना का सामना स्पेन फुटबॉल टीम से होना है।

पहले हाफ की शुरुआत में इंग्लिश टीम आक्रामक अंदाज में नजर आई।

मैच के 14वें मिनट में इंग्लैंड के फॉरवर्ड खिलाड़ी गॉर्डन ने लंबी दूरी तक दौड़ लगाई, लेकिन अर्जेंटीना के डिफेंस ने उनके आक्रमण को रोक दिया।मैच के 19वें मिनट में इंग्लैंड की ओर से रोजर्स ने प्रयास किया, जिसे गोलकीपर ने विफल किया।

पहले हाफ में कई प्रयासों के बावजूद कोई गोल नहीं देखने को मिला।पहले हाफ में अर्जेंटीना ने 12 फाउल किए।मैच के 55वें मिनट में मॉर्गन रोजर्स के बेहतरीन क्रॉस पर एंथनी गॉर्डन ने गोल करते हुए थ्री लायंस को बढ़त दिला दी।

मैच के 69वें मिनट में मेसी के शानदार क्रॉस पर निको गोंजालेज ने हेडर लगाया। उनका शॉट टारगेट पर था, लेकिन गोलकीपर पिकफोर्ड ने बचाव किया।

75वें मिनट पर फिर से पिकफोर्ड ने अपनी चपलता से गोल नहीं होने दिया।

आखिरकार 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने मेसी के पास पर गोल करते हुए स्कोर 1-1किया।

पहले गोल को खाने के बाद इंग्लिश टीम के डिफेंस में लगातार गलतियां देखने को मिली और परिणामस्वरूप अर्जेंटीना ने कई बेहतरीन प्रयास किए।

मैच की समाप्ति से कुछ मिनट पहले(90+2(मेसी के क्रॉस पर मार्टिनेज ने हेडर के जरिए गोल किया, जो कि निर्णायक साबित हुआ।

मैच के 84मिनट तक 1-0से बढ़त बरकरार रखने वाली इंग्लिश टीम के अरमानों पर पानी फिर गया।

मैच में अर्जेंटीना ने गोल करने की 14बार कोशिश की और 6बार टारगेट पर शॉट लगाए।

इंग्लैंड ने 6बार कोशिश की और वह 3बार टारगेट पर शॉट लगाने में सफल रही।

मैच में अर्जेंटीना का 64प्रतिशत समय में बॉल पर कब्जा रहा।

उसने 93प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 578पास पूरे किए।

इसी तरह इंग्लैंड का मैच में 36बॉल पर प्रतिशत कब्जा रहा और उसने 84 प्रतिशत एक्यूरेसी के साथ 331पास पूरे किए।